सिलक्यारा टनल राहत–बचाव कार्य

टोल फ्री –1077

दूरभाश– 01374–222722, 222126

मोबाईल–7500337269,7310913129, 7252887587

ई–मेल– ddmauttarkashi@gmail.com

वेबसाईट– www.ddmauttarkashi.in

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी, उत्तराखंड

सिलक्यारा टनल राहत–बचाव कार्य

मार्गदर्शन

श्री अभिषेक रूहेला
अध्यक्ष, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण / जिलाधिकारी, उत्तरकाशी

पर्यवेक्षण

श्री देवेन्द्र सिंह पटवाल
जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण,
उत्तरकाशी

संकलन

श्री जय प्रकाश सिंह पंवार, सहायक कन्सलटेंट
श्री केदार सिंह नेगी, ड्यूटी प्रभारी
श्री शार्दुल गुसांई, कनिष्ठ अभियंन्ता
श्री दलबीर सिंह राणा, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर

सहयोग

श्री मस्तान भण्डारी, मास्टर ट्रेनर
समस्त आपातकालीन परिचालन केन्द्र
एंव
त्वरित कार्यवाही में तैनात कर्मचारी

संदेश–

12 नवम्बर, 2023 को दीपावली के दिन प्रातः तहसील डुण्डा अन्तर्गत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलक्यारा–पोलगांव के बीच निर्माणाधीन सुरंग में हुई दुर्घटना के पश्चात मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार के कुशल नेतृत्व में केन्द्र एंव राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों/विभागों, जिला प्रशासन एवं जिला उत्तरकाशी के समस्त नागरिकों के प्रयासों से जीवन संकट में फंसे देश के विभिन्न राज्यों के 41 श्रमिकों को सकुशल सुंरग से बाहर निकालकर उनके परिवार–जनों तक पहुंचाया गया।

इस अवधि में जनपद में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुए समय–समय पर घटना स्थल पर मौजूद रहकर सम्पूर्ण बचाव अभियान की निगरानी की गयी। उक्त राहत–बचाव अभियान में केन्द्र एंव उत्तराखण्ड सरकार के अथक प्रयासों से जहॉ एक ओर भारत के विभिन्न विशेषज्ञ संस्थानों से समन्वय स्थापित करना सुगम हुआ वहीं दूसरी ओर उच्च तकनीकी संसाधन एवं विश्वस्तरीय विशेषज्ञों को घटना स्थल तक अत्यन्त कम समय में ला पाना सम्भव हो पाया। सभी विशेषज्ञ संस्थाओं के निन्तर सहयोग से ही 17 दिनों तक चले इस अभियान में नित नयी विषमताओं व बाधाओं के आने बावजूद भी बचाव दल का हौसला और विश्वास अडिग रहा।

17 दिनों तक चले इस राहत–बचाव अभियान के उपरांन्त अन्ततः 28 नवम्बर, 2023 को सुरंग के अन्दर फंसे सभी 41 श्रमिकों को सकुशल सुंरग से बाहर निकाला जा सका जिसके पश्चात मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा सभी से मुलाकात कर हालचाल पूछा गया तथा प्रत्येक श्रमिक को रू0 1.00 लाख की राहत राशि वितरित की गयी। चिकित्सकों द्वारा सभी मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य पाये जाने के बाद श्रमिकों को चिन्यालीसौड़ से वायुसेना के हैलीकॉप्टर के माध्यम से मानसिक परीक्षण हेतु AIIMS ऋषिकेश पहॅुचाया गया। जहां से सभी मजदूरों को गृह जनपद/आवास तक पहॅुचाया गया। इस घटना में राहत एवं बचाव कार्य की सफलता का मूलमंत्र कार्यरत कर्मियों व अन्दर फंसे मजदूरों की सूझ–बूझ, निष्ठा, संवेदनशीलता व धैर्य परिलक्षित हुआ है। जिसकी समस्त देश ही नही विदेशों में भी प्रशंसा की गयी।

10 जनवरी, 2024 उत्तरकाशी।

(देवेन्द्र सिंह पटवाल)
जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।

सिलक्यारा टनल रेस्क्यू

दिनांक 12.11.2013

तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 12.11.2023 को लगभग प्रातः 8:45 बजे एन0एच0आई0डी0सी0एल0 पूर्व महाप्रबन्धक, कर्नल दीपक पाटिल द्वारा दूरभाष पर आपदा प्रबन्धन अधिकारी को अवगत कराया गया। कि सिलक्यारा–पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल जो सिलक्यारा की ओर से भूस्खलन होने के कारण टनल अवरूद्ध हो गयी, जिसके अन्दर लगभग 35–40 मजदूर फंसे थे। उक्त सूचना के क्रम में आपदा प्रबन्धन अधिकारी/जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तत्काल अपने व्यक्तिगत दूरभाष नम्बर से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, डुण्डा एवं राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र को अवगत कराते हुये उक्त स्थल पर रेस्क्यू कार्य हेतु पुलिस/एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल सहित स्थानीय विभागीय अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस चौकी के पुलिस/एस0डी0आर0एफ/अग्निशमन टीम प्रातः लगभग 10:28 बजे मौके पर पहुॅचे। जनपद के कतिपय अधिकारी दीपावली अवकाश होने के कारण जनपद से बाहर थे तत्काल सभी अधिकारी छुट्टीयॉ रद्द कर सीधे मौके पर पहुॅचे। आपदा प्रबन्धन अधिकारी द्वारा तत्काल आपातकालीन परिचालन केन्द्र को एक्टिव करते हुये मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आई0आर0एस0 के उपस्थित नोडल अधिकारियों बैठक कर अपर जिलाधिकारी को मौके पर भेजे जाने के निर्देश दिये गये। एन0एच0डी0सी0एल0 के जनपद में उपस्थित अधिकारियों से समन्वय कर उनकी तात्कालिक मांग के अनुसार अतिरिक्त मशनरी के सम्बन्ध में कार्यवाही की गयी।

जिलाधिकारी के निर्देशन में विभिन्न उपस्थित विषय विशेषज्ञों से विमर्श कर कमाण्डर सीमा सड़क संगठन, एन0एच0ए0आई0 के चीफ जनरल मेनेजर, पुलिस अधीक्षक, कमान अधिकारी, 1442 बी0सी0सी0, सीमा सड़क संगठन एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सहयोग से टनल के अन्दर आये मलवे को 02 जे0सी0बी0 एवं 01 पोकलेन मशीन से युद्ध स्तर पर हटाया गया । इसके साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के परामर्श से फंसे मजदूरों तक पहुॅचने हेतु मलवा हटाकर सैटरिंग प्लेट आदि के माध्यम से सुरक्षित रास्ता (ESCAPE PASSAGE) तैयार किये जाने की कार्यवाही की गयी । टनल के ऊपरी भाग का विभिन्न खोज–बचाव दलों से सर्वेक्षण करवाया गया। सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था भेजी गयी है एवं ड्रोन कैमरा से सर्वेक्षण किया गया । मशीनरी को शीघ्र घटना स्थल पर पहुॅचाये जाने हेतु यातायात नियंत्रण हेतु विभिन्न स्थानों पर पुलिस तैनात की गयी। आपदा प्रबन्धन प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना के सम्बन्ध में दूरभाष पर सूचना प्राप्त कर प्राथमिक रूप से लाईन प्लान नक्शा तैयार कर घटना स्थल व नजदीकी चिन्हित स्थायी हैलीपैड/हवाई पट्टी (चिन्यालीसौड) के कॉर्डिनेट जारी किये गये।

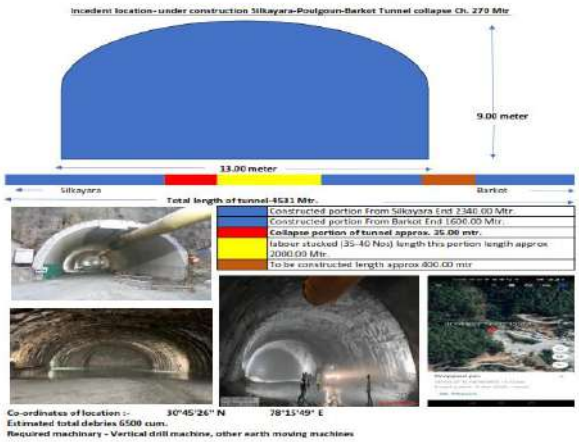

घटना स्थल अक्षांश एवं देशान्तर (Lat Long)	N- 30° 45' 26.'' E- 78° 15' 49 ''
चिन्हित हैलीपैड, चिन्यालीसौड	N- 30° 34' 44.44.'' E- 78° 19' 29.84 ''

मलवे को सुरक्षित हटाने तथा भूस्खलन को रोकने के उद्देश्य से कार्यदायी संस्था की सॉटक्रीटिंग मशीन कार्यस्थल पर पहुची। इसके साथ ही जल विद्युत निगम लखवाड, विकास नगर से ड्रिल रात्रि 9:00 बजे तक घटना स्थल पर पहुॅचायी गयी। टी0एच0डी0सी का कम्प्रेशर मौके पर पहुॅचाया गया तथा ड्रिल मशीन एवं जल सस्थान, उत्तरकाशी से 01 वार्टिकल ड्रिल मशीन घटना स्थल पर पर पहुॅचायी गयी। एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर पोकलेण्ड–03 जेसीबी–02, ट्रक–06, हाईड्रा–01, लोडर–02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड–04, सॉट क्रीटिंग–03, बूमर–02, हाईड्रा–02, ट्रक–02 उपलब्ध थे। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 भेजी गयी।

श्री अमित मलिक परियोजना प्रबन्धक, एन0एच0आई0डी0सी0एल से दूरभाष पर वार्ता की गयी जिनके द्वारा अवगत कराया गया सिलक्यारा–पोलगांव बडकोट रोड टनल की कुल लम्बाई 4.5 किलोमीटर निर्माण की जानी प्रस्तावित है। जिसका सिलक्यारा की तरफ से लगभग 2.3 किलोमीटर भाग तथा पोलगांव बडकोट की तरफ से 1.7 किलोमीटर भाग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है तथा बीच में लगभग 500 मीटर भाग में टनल निर्माण कार्य अवशेष है। दिनांक 12.11.2023 को प्रातः लगभग 5:30 बजे उक्त निर्माणाधीन रोड टनल के सिलक्यारा की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास लगभग 30 मीटर क्षेत्र में मलवा आने के कारण टनल के अन्दर 40 मजदूर फंसे थे।उक्त फंसे मजदूर/कार्मिकों में झारखण्ड के 15, उत्तराखण्ड के 02, हिमाचल के 01, उत्तरप्रदेश 08, बिहार के 04 पं0 बंगाल के 03, असम के 02, एवं उडीसा के 05 मजदूर का होना बताया गयो। फंसे मजदूरों की सूची प्रेषित की गयी।

उक्त स्थान पर अन्य अधिकारियों/कार्मिकों की शिफ्टवार तैनाती की गयी। जिला स्तरीय अधिकारियों के अवकाश निरस्त किये गये है तथा जनपद में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये। जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने आदि की व्यवस्था की गयी। उक्त के दृष्टिगत खोज–बचाव कार्यों, पुलिस/एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/आई0टी0बी0पी0 12 वीं वाहिनी मातली/आई0टी0पी0पी0 35 वीं वाहिनी महिडाण्डा/सीमा सड़क संगठन/ स्वास्थ्य विभाग/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल राहत बचाव उपकरणों सहित कुल 160 राहत कर्मी तैनात रहें।

संचार व्यवस्था हेतु अस्थायी पुलिस रेडियों संचार कन्ट्रोल रूम बनाया गया तथा अस्थायी पुलिस चौकी बनायी गयी। स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 108 एम्बुलेंस–05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस–05, चिकित्साधिकारी–एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें तथा फंसे हुये मजदूरों से चिकित्सक द्वारा वार्ता कर परामर्शानुसार आवश्यक दवाईयॉ दी गयी।

लो0नि0वि0 के सहयोग से घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हैलीपैड निर्माण की कार्यवाही प्रराम्भ की गयी इसके साथ ही चिन्यालीसौड व बडकोट स्थायी हैलीपैड/हवाई पट्टी भी राहत कार्यों हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण निदेशक, उत्तराखण्ड भूस्खलन–न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र की अध्यक्षता में टनल में भूस्खलन के अध्ययन एवं कारणों व स्थिति के सम्बन्ध में परीक्षण हेतु एक 07 सदस्यीय तकनीकी टीम गठित की गयी।

दिनांक 13.11.2023

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर एन0एच0ए0आई0, आर0बी0एन0एल0, एन0एच0सी0एल0, L&T, टी0एच0डी0सी0, बी0आर0ओ0 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से टनल के अन्दर आये मलवे को मशीनरी से युद्ध स्तर पर हटाये जाने की कार्यवाही की गयी तथा भूस्लखन वाले भाग के पास सॉटक्रीटिंग का कार्य किया गया। इसके साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के परामर्श से फंसे मजदूरों तक पहुॅचने हेतु मलवा हटाकर सेटरिंग प्लेट आदि के माध्यम से सुरक्षित रास्ता (ESCAPE PASSAGE) तैयार किये जाने की कार्यवाही की गयी। जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय तैनात नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

सॉटक्रीटिंग मशीन एवं हरिद्वार से 900 मिमी व्यास एमएस स्टील पाइप की व्यवस्था कर घटना स्थल पहुॅचाये गये। स्टील पाइप को सफलतापूर्वक लगवाये जाने एवं सहायता के लिए जल/निगम/सिंचाई विभाग की विशेषज्ञ टीम परियोजना स्थल पर पहुॅची। श्रमिकों के साथ कम्युनीकेशन किया गया तथा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों/के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे।

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा 24X7 की तर्ज पर घटना स्थल पर साईट कन्ट्रोल रूम, हैल्प डेस्क पर स्टैजिंग एरिया एक्टिवेट सामग्री सहित अधिकारियों/कार्मिकों की रोस्टवार तैनाती की गयी। टनल के अन्दर फंसे 40 मजदूरों के परिजनों के समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्था हेतु हेल्पलाइन नम्बर जारी किये गये तथा विभिन्न विभागों आवश्यक सेवाओं के स्थापित किये जाने के निर्देश दिये गये।

क्र.सं.	कन्ट्रोल रूम	सम्पर्क नम्बर
1	जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय) साईट कन्ट्रोल रूम	01374–222722, 222126 मो0 नम्बर– 7500337269 6396014066 (सिलक्यारा)
2	पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी	7455991223 7818066867 (सिलक्यारा) (पुलिस वायरलेस कम्युनीकेशन सेट)

घाटना स्थल पर रेस्क्यू हेतु आने वाले मशीनरी/अधिकारियों/विशेषज्ञों हेतु चिन्यालीसौड हावाईपट्टी, बडकोट हैलीपैड को चिन्हित किया एवं घटना स्थल स्यालना के पास हैलीपैड निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया। हैलीपैड में समस्त आवश्यक व्यवस्था भी की गयी।

घटना स्थल के नजदीक अस्थायी हैलीपैड स्यालना	**N 30°42'46'' E78°17'21''**
बडकोट हैलीपैड	**N 30° 48' 44'' E 78° 12' 12''**

शासन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड से समन्वय कर हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु समन्वय किया किया गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार एवं सचिव महोदय आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्मित स्थायी हैलीपैड स्यालना से हैलीकॉप्टर के माध्यम से पहुॅचकर घटना स्थल का भ्रमण करते हुये राहत–बचाव कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।

:: हेल्पलाइन ::

जनपद उत्तरकाशी के तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 12.11.2023 को एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सिलक्यारा–पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल के सिलक्यारा की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास मलवा आने के कारण टनल के अन्दर फंसे 40 मजदूर से सम्बन्धित सूचना हेतु हेल्पलाइन नम्बर–

क्र.सं.	कन्ट्रोल रूम	सम्पर्क नम्बर
1	जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय)	01374–222722, 222126 मो0 नम्बर– 7500337269
2	पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी	7455991223 78 18066867 (सिलक्यारा)

दिनांक 14.11.2023–

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर एन0एच0ए0आई0, आर0बी0एन0एल0, एन0एच0सी0एल0, L&T, टी0एच0डी0सी0, बी0आर0ओ0, सिंचाई विभाग के तकनीकी कार्मिकों एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से टनल के अन्दर ऑगर मशीन आपूर्ति कर ऑगर ड्रिलिंग मशीन के कार्य स्थल (Platform) का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया तथा ड्रिल मशीन के ड्रीलिंग के कार्य हेतु मशीन का अलाईमेंट/ड्रीलिंग की कार्यवाही की गयी। 900 एम0एम0 पाइप (प्रति पाइप–6 मीटर लम्बाई) 02 ट्रॉला में कुल 08 पाइप तथा 800 एम0एम0 पाइप (प्रति पाइप–6 मीटर लम्बाई) 01 ट्रक में कुल 05 पाइप जिनकी कुल लम्बाई–30 मीटर घटना स्थल पर पहुॅचाये गये। मीडिया सेन्टर स्थातिप किया गया।

इसके अतिरिक्त 01 अन्य ट्रक जिसमें 06 पाईप अतिरिक्त पहुॅचाये गये। एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों/के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा टनल में भूस्खलन के कारणों के सर्वेक्षण/जांच हेतु गठित तकनीकी टीम तैनात किये गये जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया। जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षकक, अपर जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय तैनात नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

आर0बी0एन0एल0 से शॉटक्रीटिंग, आर0ओ0सी0 मशीन तथा जल निगम से ऑगर मशीन उपलब्ध करायी गयी।

दिनांक 15.11.2023–

एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। फंसे मजदूरों/कार्मिकों के रेस्क्यू हेतु एस्केप टनल निर्माण किये जाने के लिये ऑगर ड्रीलिंग मशीन के कार्य स्थल का निर्माण कर ऑगर मशीन से ड्रीलिंग कार्य प्रारम्भ किया गया। उक्त मशीन की ड्रीलिंग के दौरान मलवे में बोल्डर होने के कारण क्षमता अनुरूप कार्य नहीं कर पा रही थी। जिस कारण अमेरिकन उच्च क्षमता की ऑगर ड्रीलिंग मशीन को नई दिल्ली से नजदीकी वायु सेना बेस से सेना के C-17 के माध्यम से चिन्यालीसौड हवाई पट्टी तक पहुंचाये जाने की कार्यवाही की गयी। वहां से घटना स्थल हेतु मशीन वाहन के माध्यम से भेजी गयी। घटना स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी । चिन्यालीसौड हवाई पट्टी में उप जिलाधिकारी, डुण्डा/अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 चिन्यालीसौड एवं पुलिस/अग्निशमन आदि दल की तैनाती की गयी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था की गयी । महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून/विशेषज्ञ टीम आवश्यक सहयोग हेतु घटना स्थल पर मौजूद रहें। एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और आरवीएनएल, राइट्स के विशेषज्ञ, प्राधिकरण के इंजीनियर मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड बचाव अभियान की करीबी निगरानी के लिए घटना स्थल पर मौजूद रहें।

कमाण्डेंट एस0डी0आर0एफ0, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अपर जिलाधिकारी एवं तैनात जिला स्तरीय नोडल/विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहें।

JCB

दिनांक 16.11.2023–

एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध थी, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे फंसे मजदूरों/कार्मिकों के रेस्क्यू हेतु एस्केप टनल निर्माण किये जाने के लिये आपूर्ति उच्च क्षमता ऑगर ड्रिलिंग मशीन को स्थापित कर प्रातः 10:30 बजे से ड्रीनिंग की कार्यवाही की गयी। कुल 18 मीटर पाईप लगवाया गया। पेयजल निगम/अन्य तकनीकी दलों एवं महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादू/विशेषज्ञ टीम आवश्यक सहयोग हेतु घटना स्थल पर मौजूद रहे। एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और आरवीएनएल, राइट्स के विशेषज्ञ, प्राधिकरण के इंजीनियर मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड बचाव अभियान की करीबी निगरानी के लिए घटना स्थल पर मौजूद रहे। राज्य मंत्री जनरल बी0के0 सिंह, भारत सरकार, केन्द्रीय सचिव, मुख्य अभियन्ता सडक परिवहन विभाग, भारत सरकार, कमाण्डेंट एस0डी0आर0एफ0, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अपर जिलाधिकारी एवं तैनात जिला स्तरीय नोडल/विभागीय अधिकारी की बैठक आहूत कर कार्यवाही की गयी ।

दिनांक 16.11.2023 को समय रात्रि 2:02 बजे जनपद के तहसील पुरोला, बडकोट, मोरी में भूकम्प के झटके महसूस किये गये। जनपद के समस्त तहसीलदार/थाना/पुलिस चौकियों/राजस्व उप निरीक्षक से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। समस्त थाना/तहसीलान्तर्गत भूकम्प से किसी प्रकार के क्षति की सूचना प्राप्त नही हुयी। तहसील भटवाडी में अवस्थित मनेरी/जोशियाडा बॉध से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। उक्त बॉधों में भूकम्प से किसी प्रकार की क्षति की सूचना प्राप्त नही हुयी। इस प्रकार जनपद में भूकंप से किसी प्रकार की क्षति नही होने के सम्बन्ध मे आख्या शासन को प्रेषित की गयी।

<u>भारतीय मौसम विभाग (IMD) नई दिल्ली से प्राप्त सूचना के अनुसार भूकम्प का विवरण :–</u>

- भूकम्प का परिमाण– 3.1(रिक्टर पैमाने पर)
- अक्षांश/Latitude– 31.04° N
- देशान्तर/Longitude – 78.23° E
- समय– 02:02 PM बजे।
- भूकंप का केन्द्र– तहसील मोरी अन्तर्गत सांकरी के सिंगतुर रेंज वन क्षेत्र में।

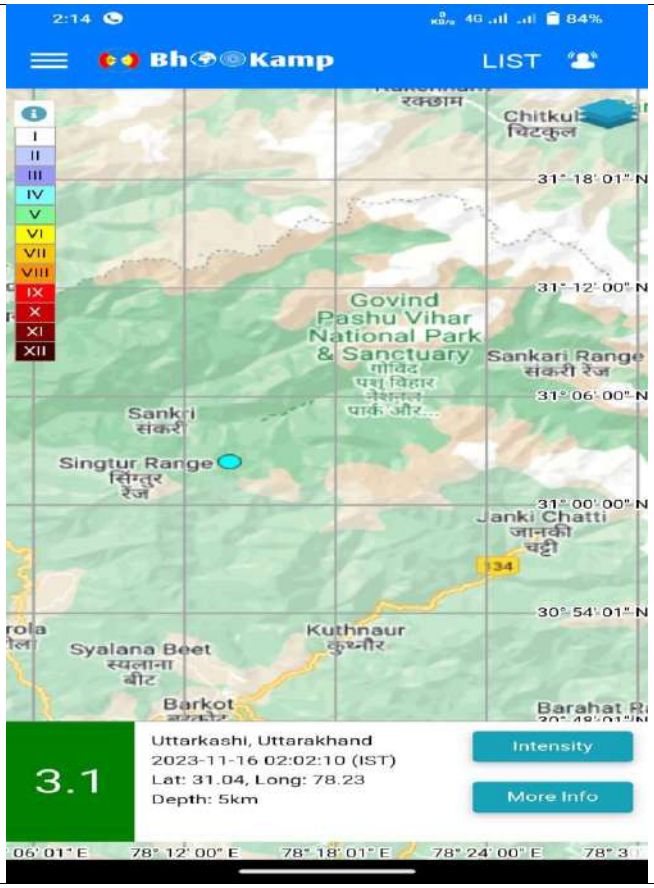

दिनांक 17.11.2023–

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये जा रहे –

एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध गया, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में काजू–500 ग्राम, भीगोये चने– 500 ग्राम, भूनेचने–500 ग्राम, मुरमुरे–500 ग्राम, पॉपकोर्न– 500 ग्राम, किसमिस–250 ग्राम टनल के अन्दर भेजा जा रहे।

सिलक्यारा टनल में उच्च क्षमता ड्रीलिंग मशीन से 22.00 मीटर पाईप (04 पाईप) को ड्रील तथा मशीन के सुरक्षात्मक कार्य किया गया। इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ऑगर मशीन) को वायुसेना के C-17 एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर रात्रि 1:30 बजे पहुॅचाया गया । उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों में लोड कर सड़क मार्ग के माध्यम से सिलक्यारा हेतु भेजा गया। आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से एक और शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध है। 01 ऑगर मशीन खराब हुयी।

हैलीकॉप्टर के माध्यम से Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri. Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, sri Armando Capellan, Expat Engineer घटना स्थल पर प्रातः 11 बजे तक पहुॅच गये।

घटना स्थल पर स्टैजिंग एरिया/हेल्पडेस्क में अधिकारियों की तैनाती की गयी। जहां पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी–02, ट्रक–06, हाईड्रा–01, लोडर–02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड–04, सॉट क्रीटिंग–03, बूमर–02, हाईड्रा–02, ट्रक–02 उपलब्ध थे। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों 03 आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी। स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया , जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 108 एम्बुलेंस–05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस–05, चिकित्साधिकारी–एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें तथा फंसे हुये मजदूरों को चिकित्सकों द्वारा आवश्यक दवायॉ दी गयी।

जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD, PWD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये जा रहे–

- **ए**न0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध गया, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही। उत्तरप्रदेश के नोडल अधिकारी श्री अरूण मिश्रा द्वारा अन्दर फंसे मजदूरों से पाईप के माध्यम से वर्ता की गयी। मजदूरों द्वारा कुशल होना अवगत कराया गया।
- अतिरिक्त संचार व्यवस्था हेतु वॉकी–टॉकी आवंटित की गयी।
- बी0एस0एन0एल0/एस0डी0आर0एफ0 द्वारा टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों के साथ संचार करने हेतु Intercom स्थापित किया गया।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 22.00 मीटर पाईप (04 पाईप) को ड्रील किया गया है। लाईफ सर्विस प्वॉट को सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया गया तथा कंक्रीट ह्यूम पाई से एक स्केप पेसेज बनाया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy. PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, shri Armando Capellan, Expat Engineer सहित सेना/ओ0एन0जी0सी0 तथा सीमा सड़क संगठन सहित पूर्व से उपस्थित अन्य विषय विशेषज्ञों द्वारा टनल के आस–पास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरान्त बैठक कर विचार–विर्मश कर बचाव अभियान हेतु अन्य विकल्पों पर कार्यवाही की जाने के सम्बन्ध में योजना बनाई जा गयी है। प्राथमिक रूप से विकल्पों हेतु तैयारी प्रारम्भ कर दी गयी।
- इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर रात्रि 1:30 बजे पहुॅचाया गया तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुॅचाया गया ।
- घटना स्थल पर निर्वाद संचार हेतु Jio रिलांयस के सहयोग से स्माल सैल नेटवर्क इन्टरनेट सेवा उपलब्ध करायी गयी है तथा कल दिनांक 19.11.2023 को ESC टॉवर की भी लगाये जाने की कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त बी0एन0एन0एल0 द्वारा भी उक्त स्थान पर बी0टी0एस0 माईक्रों टॉवर लगाये जाने की कार्यवाही की गयी।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं आवागमन हेतु वाहन आदि की व्यवस्था की गयी । तथा मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि कार्यवाही भी की गयी । उक्त कार्य हेतु नोडल अधिकारी तैनात किये गये।
- आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से एक और शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध थी।
- घटना स्थल पर स्टैजिंग एरिया/हेल्पडेस्क एक्टिवेट किया गया है। जहां पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन, ऑगर मशीन–03 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी–02, ट्रक–06, हाईड्रा–01, लोडर–02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड–04, सॉट क्रीटिंग–03, बूमर–02, हाईड्रा–02, ट्रक–02 उपलब्ध है। लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी।
- स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 06 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 108 एम्बुलेंस–05 एवं विभागीय अन्य एम्बुलेंस–05, चिकित्साधिकारी–एवं अन्य सहायक कर्मी तैनात रहें।
- उक्त के दृष्टिगत खोज–बचाव कार्यों, पुलिस/02 अधिकारी एवं एन0डी0आर0एफ0/ एस0डी0आर0एफ0/ आई0टी0बी0पी0 मातली/सीमा सड़क संगठन/ स्वास्थ्य विभाग/पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेड सेट स्थापित किये गये है, जिसमें 01 अधिकारी एवं 08 जवान/त्वरित कार्यवाही दल आदि दल राहत बचाव उपकरणों सहित कुल 160 राहत कर्मी तैनात थे।

अधिकारियों/कार्मिकों की शिफ्टवार तैनाती की गयी एवं रात्री के समय समन्वय हेतु उप जिलाधिकारी बडकोट व आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्मिकों की तैनाती की गयी।

- जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने आदि की व्यवस्था की गयी।
- सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था की गयी। टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों की सुविधा हेतु हेल्पलाईन नम्बर–1374–222722, 222126 मोबाईल न0–6396014066 जारी किये गये। साईट कन्ट्रोल रूम तैयार कर रोस्टरवार जिला स्तरीय अधिकारियों की गयी।

दिनांक 19.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD, PWD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये जा रहे –
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध है, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी जा रही ।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण का कार्य 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया तथा लगभग 200 मीटर अवशेष था, जिसमें कार्य लगातार किया गया।
- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर एक अतिरिक्त 06 इंच के पाईप के ड्रिल की कार्यवाही गतिमान। वर्तमान तक लगभग 42 मीटर पाईल ड्रिल किया गया ।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रील किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य गतिमान है तथा पाईप को आगे कार्यशील किये जाने पर कार्यवाही की जा रही ।
- सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये टनल के पास रेस्क्यू कार्यो का निरीक्षण किया गया।
- Shri Mahmood Ahmed Additional Secretary, MoRTH, shri Bhaskar Khulbe, OSD Tourism, GoUK, shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy. PMO, shri Varun Adhikari, Geologist Engg, shri Armando Capellan, Expat Engineer सहित सेना/ओ0एन0जी0सी0 तथा सीमा सड़क संगठन सहित पूर्व से उपस्थित अन्य विषय विशेषज्ञों घटना क्षेत्र में उपस्थित थे तथा सर्वेक्षण के उपरान्त निम्न 05 कार्ययोजना पर कार्यवाही की जा रही ।

  योजना 01 – वॉर्टिकल ड्रीलिंग

  बाडकोट की ओर से बीआरओ सम्पर्क मार्ग और प्लेटफार्म निर्माण किया जायेगा। उक्त पर ONGC द्वारा वॉर्डिक ड्रीलिंक का कार्य करेगा।
- सिल्क्यारा साईट से बीआरओ पहुंच मार्ग और प्लेटफॉर्म निर्माण किया गया तथा
- आरवीएनएल द्वारा टनल पर आवश्यक सामग्री हेतु 06 इंच पाईप लगवाने का कार्य (लाइफ लाइन निर्माण)

  योजना 02–

  आरवीएनएल सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर वॉर्टिकल टनल का निर्माण किया गया

  योजना 03–

  टीएचडीसी बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण किया गया (क्षैतिज ड्रिलिंग)

  योजना 04–

  सुरंग का सुदृढ़ीकरण– एनएचआईडीसीए द्वारा किया गया।

  योजना 05

  मजदूरों को बाहर निकालने के सिलक्यारा की तरफ से लिए एनएचपीसी/एसजेवीएन ड्रीलिंग कार्य किया गया ।

  घटना स्थल पर निर्वाद संचार हेतु Jio रिलांयस के सहयोग से स्माल सैल नेटवर्क इन्टरनेट सेवा उपलब्ध करायी गयी तथा ESC टॉवर भी लगाये जाने की कार्यवाही की जा रही इसके अतिरिक्त बी0एन0एन0एल0 द्वारा भी उक्त स्थान पर बी0टी0एस0 माईक्रों टॉवर लगाये जाने की कार्यवाही की गयी।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं आवागमन हेतु वाहन आदि की व्यवस्था की गयी तथा मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि कार्यवाही भी की गयी । उक्त कार्य हेतु नोडल अधिकारी तैनात थे।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये।
- केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी एवं मा0 मुख्यमंत्री उत्तखण्ड सरकार द्वारा घटना स्थल/रेस्क्यू कार्यो का निरीक्षण किया गया।

2023/11/19 09:39

हेल्प डेस्क
जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण
उत्तरकाशी

दिनांक 20.11.2023

- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध है तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित थे। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी गयी।

योजना 01– (सम्पर्क मार्ग/प्लेटफार्म)

- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य किया गया जिसमें प्रस्तावित 1200 मीटर सड़क मार्ग में 1150 मीटर कार्य पूर्ण किया गया अवशेष कार्य रात्रि तक पूर्ण होने की सम्भावना से अवगत कराया गया।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा बडकोट की ओर से 06 किमी0 रोड निर्माण कार्य किया गया। ONGC द्वारा टनल निर्माण हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया।

योजना 02 (सिलक्यारा से हॉरिजंटल डीलिंग)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण एवं वर्तमान तक प्लेटफार्म तैयार किया गया। मशनरी दिनांक 21.11.2023 को सांय 4:00 बजे तक नाशिक से देहरादून पहुॅचेगी।
- उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित ।

योजना 03

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । रात्रि से कार्य प्रारम्भ किया गया।

योजना 04

- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर आवश्यक सामग्री हेतु तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप लगवाया गया । जिसकी कुल लम्बई 57 मीटर है। जिससे आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति की जायेगी।
- टनल के अन्तदर Safe passage निर्माण हेतु 03 बॉक्स कलर्वट स्थापित किये गये तथा अन्य कलर्वट स्थापित करने की कार्यवाही ROC मशीन के हटवाये जाने के उपरान्त की जायेगी कार्यस्थल पर वर्तमान समय में 16 कलर्वट उपलब्ध थे तथा 11 कलर्वट आपूर्ति की गयी।

योजना 5

- NHPC/SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के सिलक्यारा की तरफ 1–1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी। बी0आर0ओ0 द्वारा पहुॅच मार्ग बनाये जाने के उपरान्त कार्य होगा।
- GSI के भू–वैज्ञानिक घटना स्थल उप उपस्थित थे। जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया।

- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रील किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य हयिा गया। रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 K एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाये जाने हेतु युकाडा एवं उत्तराखण्ड शासन से समन्वय किया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये ।
  प्रकाश व्यवस्था हेतु 04 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 02 अस्का लाईट आदि घटना स्थल पर भेजे गये
  जिलाधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी घटना स्थल पर तैनात रहें। समय–समय पर मा0 विधायकगणों एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा घटना स्थल का भ्रमण कर किये जा रहें कार्यों का निरीक्षण किया गया।

दिनांक–21.11.2023

- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं। मजदूरों को पाईप के माध्यम से प्रत्येक 30 मिनट के अन्तराल में भोजन सामग्री भेजी जा रही थी तथा परिजनों से पाईप के माध्यम से बात करवायी जा रही थी। इसके अतिरिक्त पाईप के माध्यम से दवाईयां भी आवश्यकतानुसार भेजी गयी।

योजना 01–

- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी वॉर्टिक ड्रीलिंग 26.11.2023 तक पूर्ण होने की सम्भावना।
- सीमा सड़क संगठन द्वारा बडकोट की ओर से 06 किमी0 रोड निर्माण का कार्य गया। जिसमें सर्वेक्षण की कार्यवाही गतिमान है। ONGC द्वारा टनल निर्माण हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया।

योजना 02 (सिलक्यारा से डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण रात्रि तक पूर्ण होगा। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नाशिक से भेजी गयी मशीनरी घटना स्थल पर पहुॅच गयी थी तथा दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी ऋषिकेश से घटना स्थल पर पहुॅचायी गयी। कार्यस्थल पर उपकरण 23.11.2023 तक स्थापित होने की सम्भावना बताई गयी।
- निर्माण की जा जल आपूर्ति लाईन दिनांक 22.11.2023 की सांय तक निर्माण होने की सम्भावना से अवगत कराया गया। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

योजना 03

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । रात्रि में दो विस्फोट किये गये है, जिसमें 6.4 m drift तथा वर्तमान में शॉटक्रीट की कार्यवाही कि गयी। शॉटक्रीटिंग की कार्यवाही पूर्ण होने पर रात्रि में

ड्रेनेज होल निर्माण/रिब निर्माण तथा कंक्रीटिंग की कार्यवाही की जायेगी।

योजना 04

- फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्व लगवाया गया, जिसकी कुल लम्बई 57 मीटर है। रात्रि में उक्त पाईप से फल/ आदि खाद्य सामग्री/दवां भेजी गयी है तथा पाईप से वीडियों कैमरा लगवाया गया ।
- सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रील 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के पाईप वेल्डिंग कर चौथे पाईप (06 मीटर लम्बाई) के ड्रीलिंग की कार्यवाही गतिमान। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य गतिमान किया गया।
- टनल के अन्दर 190 से 150 मीटर सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया। अन्य कलर्वट स्थापित करने की कार्यवाही गतिमान है। कार्यस्थल पर वर्तमान समय में 14 कलर्वट उपलब्ध थे तथा 06 कलर्वट आपूर्ति की गयी।

योजना 5

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की गयी। बी0आर0ओ0 द्वारा कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया । मशीनरी को स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.5 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है । 02 फ्रेम तैयार किया गये है। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।
- GSI के भू–वैज्ञानिक घटना स्थल पर उपस्थित थे। जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- श्री नीरज खैरवाल, सचिव, उत्तराखण्ड शासन, महानिदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड घटना स्थल पर तैनात रहें।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- श्री गिरीश जोशी, DRM परियोजना उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन घटना स्थल पर मौजूद रहें।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रील किया गया । उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 K एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये । प्रकाश व्यवस्था हेतु 04 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 02 अस्का लाईट आदि घटना उपलब्ध रखी गयी।
- दिनांक 18.11.2023 को इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुॅचाया गया ।
- जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था की गयी।

2023/11/20 23:40

2023/11/19 15:37

दिनांक 22.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित होना बताया गया।
- योजना 01–
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया है, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी है। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री/दवां भेजी गयी।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रील 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के 08 वें पाईप सांय 4:15 बजे तक ऑगर मशीन से ड्रीलिंग कर लगाये गये है जिसकी कुल लम्बाई 44 मीटर है। 9 वें पाईप के अलाईमेंट/वॉल्डिंग की कार्यवाही की गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध रखी गयी।
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया ।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी।
- एस0डी0आर0एफ0 द्वारा मजदूरों से संचार व्यवस्था की गयी ।
- विघुत आपूर्ति की गयी ।

योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया । मशीनरी को स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

योजना 03 (सिलक्यारा से डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी । नाशिक से भेजी गयी मशीनरी घटना स्थल पर पहुॅच गयी है तथा दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी ऋषिकेश आपूर्ति की गयी ।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण कार्य गतिमान है। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग साईट पर पहुॅचायी गयी।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है।

योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया । 08 फ्रेम तैयार किया गये । जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे।
- विशेष कार्यकारी अधिकारी श्री भाष्कर खुलबे, डॉ नीरज खैरवाल, सचिव, उत्तराखण्ड शासन समन्वय अधिकारी, महानिदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदि जनपद स्तरीय अधिकारी

उपस्थित थे।

- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात थे।
- श्री गिरीश जोशी, DRM परियोजना उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन घटना स्थल पर मौजूद रहे।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति, ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
- GSI के भू–वैज्ञानिक घटना स्थल पर उपस्थित थे। जिनके द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 17.11.2023 तक सिलक्यारा टनल में ड्रीलिंग मशीन से 900 एम0एम0 पाई 22.00 मीटर (04 पाईप) को ड्रील किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये ।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर भेजे गये । जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की गयी।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कूपन तैयार कार्यवाही की गयी।

दिनांक–23.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये गये–
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- योजना 01–
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर RVNL/NHIDCL द्वारा टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया है, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी है। उक्त पाईप से फल/दाल–रोटी आदि खाद्य सामग्री/दवाईयॉ भेजी जा रही है एवं संचार व्यवस्था की गयी है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया ।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा सिलक्यारा टनल में पहले से ड्रील 900 एम0एम0 पाईप के अन्दर से 800 एम0एम0 व्यास के 08 वॉ पाईप दिनांक 22.11.2023 को सांय 4:15 बजे तक ऑगर मशीन से ड्रीलिंग कर लगाये गये । जिसकी कुल लम्बाई 44 मीटर है। 9 वें पाईप लगाने के दौरान आगे सरिया आने के कारण ड्रील नहीं किया जा सका । गैस कटर से उक्त सरिया/अवरोध को हटाया गया तथा ऑगर मशीन में ड्रिल की कार्यवाही प्रारम्भ किया गया। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध थे। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के अधिकारी द्वारा की गयी मांग के अनुसार आपदा प्रबन्धन द्वारा उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण, देहरादून से समन्वय कर हैलीकाप्टर के माध्यम से दो राउंड में एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के ऑपरेटर/तकनीकी कार्मिक पहुॅचाये गये।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम से तीसरे राउंड में CIMFR संस्थान, रूडकी से विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर पहुॅचायी गयी।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम से जनरल बी0के0 सिंह जी मा0 मंत्री भारत सरकार , सचिव, MoRTH भारत सरकार, DG,NDRF एव आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, IG पुलिस गढ़वाल घटना स्थल पर पहुॅचकर राहत कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- हैलीकॉप्टर के माध्यम मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार घटना स्थल पर पहुॅचकर राहत–बचाव कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा फंसे मजदूरों से वर्ता की गयी।
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये । कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया ।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी ।

योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी है। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी कार्य स्थल पर पहुॅच गयी तथा स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी।

योजना 03 (सिलक्यारा से डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण किया गया है एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा है। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नाशिक/दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद ।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण कार्य किया गया। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित ।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान ।

योजना 6

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया । 10 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सैना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।
- वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया गया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
- GSI के भू–वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही ।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।
- उक्त के दृष्टिगत राहत–बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक– 95 एवं पी0एस0सी0–85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन–12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी–02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात थे।
- पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेंड सेट स्थापित किये गये ,
- जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने की व्यवस्था की गयी।
- सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रखी गयी।
- घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हैलीपैड निर्माण किया गया तथा बडकोट/चिन्यालीसौड हैलीपैड भी राहत कार्यों हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया ।

हैलीकॉप्टर के माध्यम से तीसरे राउंड में CIMFR संस्थान, रूडकी तथा दिल्ली से आये अन्य तकनीकी सदस्यों को देहरादून से घटना स्थल पर पहुॅचाया गया। मा0 मंत्री भारत सरकार, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार, सचिव, MoRTH भारत सरकार, DG,NDRF एव आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, IG पुलिस गढ़वाल घटना स्थल पर पहुॅचकर राहत कार्यों का निरीक्षण किया गया।

दिनांक 24.11.2023

दिनांक 24.11.2023 को ड्रीलिंग के दौरान सिरया/गडर आदि के अवरोध को हटाते ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया तद्पश्चात ड्रीलिंग की कार्यवाही गयी सांय तक 46.9 मीटर ड्रीलिंग की गयी। ड्रीलिंग के दौरान पुनः सरिया/गाडर आने के कारण उसकों हटाये जाने की कार्यवाही की गयी। ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं स्पेशल टीम को पाईप के अन्दर भेज कर GPR मशीन से वीडियों बनाकर सर्वेक्षण किया। केन्द्रीय खनन टीम/CIMFR संस्थान, रूडकी से विशेषज्ञों आदि संस्थान के विशेषज्ञ घटना स्थल पर उपस्थित थे। घटना स्थल पर, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार), एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, आयुक्त गढ़वाल मंडल, विधायक गंगोत्री एवं यमुनोत्री विधानसभा रेस्क्यू आभियान के समन्वयक सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, पुलिस अधीक्षक आद उपस्थित रहें। मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत आई0टी0बी0पी0मातली में कैम्प

कार्यालय स्थापित करते हुये घटना स्थल/टलन में जा कर रेस्क्यू कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा सुरक्षित व त्रीव गति से रेस्क्यू कार्य सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।

योजना– 01 दिनांक–26.11.2023 दिनांक 26.11.2023 को प्लाज्मा कटर से ऑगर मशीन की ब्लेड को काटने में कठिनाई होने के कारण गैस कटर से ब्लेड को काटकर ऑगर ब्लेड बाहर निकालने की कार्यवाही की गयी। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया । दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुॅचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुॅचाये गये । चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुॅचा। दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या– GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी जो उत्तरकाशी आयी। मशीन के सुचारू आवागमन की व्यवस्था की गयी। बलसाद से भी गयी मशीन घटना स्थल पहुॅचायी गयी। CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित थे।

योजना–2

SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण हेतु बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया है। ड्रीलिंग मुख्य मशीनरी कार्य स्थल पर पहुॅच गयी । तथा दोपहर 12:00 बजे से ड्रीलिंग प्रारम्भ की गयी ।

योजना 03 (सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग–RVNL)

सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की गयी। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किय गया । कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी । नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद थे। प्लेटफार्म निर्माण कार्य किया जा रहा।

सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिग की गयी। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर वर्तमान समय तक 40 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी।

योजना 04

बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुॅच गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी, मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुॅच गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से 1050 मीटर कार्यपूर्ण किया गया।

योजना 05

THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्य किया गया। कुल 10. 6 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी तथा 13 रिब तैयार की गयी।

योजना–06

टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया । 22 फ्रेम तैयार किया गये

स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे। चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी।

जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, द्वारा राहत कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया गया। एम. डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद रहें।

दिनांक 25.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित गये–
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।
- योजना 01–
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया। जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी–दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयॉ दी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित थी। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया ।
- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुडे भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्डिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय ऑगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध है। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।

  CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुॅचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून से घटना स्थल पर पहुॅचने हेतु वाहन आपूर्ति किया गया ।
- उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या– GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी जो रात्रि तक ऋषिकेश में पहुॅचेगी कल सांय तक घटना स्थल पर आयेगी। मशीन के सुचारू आवागमन की व्यवस्था की गयी।
- घटना स्थल पर जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार), मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सरकार , एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, आयुक्त गढ़वाल मंडल, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि उपस्थित रहे।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों को सुरक्षित व त्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- **Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO** घटना पर उपस्थित रहें।
- **स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे।**
- **चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी थे। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया थे।**
- उक्त के दृष्टिगत राहत–बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक– 95 एवं पी0एस0सी0–85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन–12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के

अधिकारी/कर्मचारी–02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात थे।

- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये । कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया ।
- सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी ।
- एस0डी0आर0एफ0 एवं बी0एस0एन0एल0 के माध्यम से इन्टरकॉम सिस्टम स्थापित किया गया।
- विघुत आपूर्ति की गयी ।

योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण कार्य किया। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी कार्य स्थल पर पहुॅच गयी तथा स्थापित किये जाने की कार्यवाही की गयी ।

योजना 03 (सिलक्यारा से डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही । साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गया। नाशिक/दिल्ली से भेजी गयी मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद रहें।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की गयी।
- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 10 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान उपस्थित रहें।
- वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की गयी।
- GSI के भू–वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये ।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन की उपलब्धता रखी गयी।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किय गये है।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिलिग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।

हेल्प

vivo Y22

vivo Y22

दिनांक–26.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी–दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयॉ भेजी जा रही एवं संचार व्यवस्था स्थापित कि गयी। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया ।
- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुडे भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्डिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय ऑगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी।
- दिनांक 26.11.2023 को प्लाज्मा कटर से ऑगर मशीन की ब्लेड को काटने में कठिनाई होने के कारण गैस कटर से ब्लेड को काटकर जा रहा है दोपहर 1:00 बजे तक 31.91 मीटर ऑगर ब्लेड बाहर निकाली गयी। उक्त स्थान पर मशीन एवं अन्य मानव संसाधन उपलब्ध थे। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की जा रही ।
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 67 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया ।
- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुॅचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुॅचाये गये ।
- चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुॅचाया गया।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या–GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी है जो उत्तरकाशी आ रही है। मशीन के सुचारू आवागमन की व्यवस्था की जा रही गयी। बलसाद से भी गयी मशीन घटना स्थल पहुॅचायी गयी।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा राहत कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा। एम.डी0, एनएचआईडीसीएल,

सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद।

- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों का निरन्त अनुश्रणव कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व द्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO द्वारा राहत–राहत बचाव कार्यों का निरन्त अनुश्रवण किया गया।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात रहें।
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत–बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक– 95 एवं पी0एस0सी0–85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन–12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी–02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात रहें।

योजना 2

- SJVN द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास टनल निर्माण की जानी है। बी0आर0ओ0 द्वारा दिनांक 20.11.2023 तक कार्यस्थल पर पहुॅच मार्ग पूर्ण कर SJVN को उपलब्ध कराया गया। ड्रीलिंग मुख्य मशीनरी कार्य स्थल पर पहुॅची तथा दोपहर 12:00 बजे से ड्रीलिंग प्रारम्भ की गयी ।

योजना 03 (सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही । साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद थे। प्लेटफार्म निर्माण कार्य गतिमान रहा।
- सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिग की गयी। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया मशीनरी आपूर्ति की गयी RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर वर्तमान समय तक 40 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी।
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुॅचायी गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी, मैंगो कटर मशीन कार्यस्थल पर पहुॅचायी गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से 1050 मीटर कार्यपूर्ण किया गया।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही की गयी। कुल 10.6 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी तथा 13 रिब तैयार की गयी ।
- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर

सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 22 फ्रेम तैयार किया गये । जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान तैनात रहें।

- वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात थे।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की कार्यवाही की गयी तथा GSI के भू–वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
  टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें।
- दिनांक 18.11.2023 को इन्दौर से एक अतिरिक्त (अर्थ ओगर मशीन) को वायुसेना के एयरक्रॉफ्ट के माध्यम से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट तथा उक्त मशीन को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से 03 वाहनों के माध्यम से घटना स्थल सिलक्यारा में पहुॅचाया गया ।
- आरवीएनएल से आरओसी मशीन/आरवीएनएल पैकेज III से शॉटक्रीट मशीन उपलब्ध थी।
- घटना स्थल पर वॉर्टिकल ड्रिल मशीन, हॉरिजेंटल ड्रिल मशीन सॉफ्ट किटिंग मशीन, ऑगर मशीन–03 एवं एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के टनल के बाहर 03 पोकलेण्ड, 02 जेसीबी–02, ट्रक–06, हाईड्रा–01, लोडर–02 एवं टनल के अन्तर पोकलेण्ड–04, सॉट क्रीटिंग–03, बूमर–02, हाईड्रा–02, ट्रक–02 आदि उपकरण उपलब्ध । लोक निर्माण विभाग से 02 अतिरिक्त जे0सी0बी0 एवं अन्य विभागों आवश्यक सामग्री आपूर्ति की गयी।
- पुलिस वायरलेस द्वारा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु 03 स्टैटिक सेट एवं 20 हेंड सेट स्थापित किये गये,
- जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरकाशी के माध्यम से भोजन/ठहरने की व्यवस्था की गयी।
- सैटेलाईट फोन एवं प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रखा गया।
- घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास अस्थायी हैलीपैड निर्माण किया गया तथा बडकोट/चिन्यालीसौड हैलीपैड भी राहत कार्यों हेतु एक्टिव/चिन्हित किया गया ।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों की सुविधा हेतु हेल्पलाईन नम्बर–1374–222722, 222126 मोबाईल न0–6396014066 जारी किये गये। साईट कन्ट्रोल रूम तैयार कर रोस्टरवार जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती की गयी ।

2023/11/26 00:04

11/26/23
6:47 AM

PTI

FlexiWeld
2000
SIL+

27.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित है।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी–दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयॉ भेजी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया ।

योजना–1

- दिनांक 24.11.2023 सिरया/गडर को हटाते हुये 800 एम0एम0 पाईप के अन्दर जा कर पाईप के आगे मुडे भाग 1.2 मीटर पाईप को वल्डिंग मशीन से काटा गया तथा ऑगर मशीन के अलाईमेंट/प्लेटफार्म का कंक्रीट आदि से सुदृढीकरण कार्य किया गया। सायं 4:30 बजे से 10 वें पाईप को ड्रीलिंग प्रारम्भ कर 46.9 मीटर पाईप लगवाया गया। ड्रीलिंग के दौरान पुनः अवरोध आने के कारण आंगर ड्रीलिंग मशीन को वापस करते समय ऑगर मशीन की ब्लेड पाईप के अन्दर टूट जाने के कारण उसे निकालने की कार्यवाही की गयी।
- दिनांक 27.11.2023 को प्लाज्मा/गैस कटर से ऑगर मशीन के ब्लेड को काटकर पाईप से बाहर निकाला गया बोल्डर द्वारा परीक्षण के पश्चात जालीदार गाडर ऑगर में फंसने के कारण निकाले की कार्यवाही की गयी तथा पाईप के मरम्मत का कार्य किया गया। उक्त 800 एम0एम0 पाईप से अवरोध पूर्ण रूप से हटवाया गया रैड माईनर्स के मजदूरों के माध्यम से आगे खुदाई करवायी गयी तथा पाईप को आगर मशीन से फिट किया गया। जिस हेतु कार्यस्थल पर पर्याप्त मशीन एवं मानव संसाधन उपलब्ध थे सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 87.2 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया ।

योजना 2

- GSI, RVNL & ONGC/SJVN के विचार–विर्मश के उपरानत मजदूरों को बाहर निकालने हेतु सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास वॉर्टिकल ड्रीलिंग कार्य किया गया। 30.80 मीटर ड्रीलिंग की गयी। उक्त स्थान पर साईट मॉनिटिरंग हेतु जिला प्रशासन/आपदा प्रबन्धन द्वारा साईट कन्ट्रोल रूम स्थापित कर मजदूरों हेतु टैंट लगवाये गये। संचार व्यवस्था हेतु Jio का टॉवर लगाया गया ।

योजना 03 (सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। साईट का सर्वेक्षण किया गया है एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया जा रहा है। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी है। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद है। प्लेटफार्म निर्माण कार्य गतिमान ।
- सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिग की जानी है। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया है। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी है। प्लेटफार्म तैयार कर 72 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी है तथा ड्रीलिंग कार्यवाही गतिमान है।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुॅच गयी है इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी है, मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुॅच गयी है। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग

निर्माण किया जा रहा है। जिसमे 5000 मीटर में से लगभग 1100 मीटर सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। कार्य गतिमान रखा गया।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये । ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है। कुल 12 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी है तथा 18 रिब तैयार की गयी है।

योजना 06

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। 22 फ्रेम तैयार किया गये है। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान उपस्थित रहें।
- घटना स्थल हेतु आने वाली मशीनरी हेतु पुलिस सम्बन्धित विभाग के संशाधन तैनात कर यातायात सुचारू करते हुये ट्रैफिक में फंसी मशीनों को घटना स्थल हेतु भेजा गया ।
- जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कार्यरत मजदूरों/कर्मिकों हेतु अतिरिक्त कम्बल/गद्दे/ टेंट आदि आपूर्ति किये गये । टैट विभिन्न कार्य स्थल पर लगवाये गये।
- मा0 प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के प्रमुख सचिव, डॉ0 पी0के0 मिश्रा एवं सचिव, गृह मंत्रालय भारत सरकार एव मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी आदि द्वारा घटना स्थल का भ्रमण कर राहत–बचाव कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुॅचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुॅचाये गये ।
- चण्डीगढ़ से लेजर कटर आज प्रातः 7:00 बजे घटना स्थल पर पहुॅचा।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या– GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी है जिसे घटना स्थल पर पहुॅचाया जा रहा है।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहें।
- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद, सचिव, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा राहत कार्यों का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद है।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों का निरन्त अनुश्रणव कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व द्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- Shri Mangesh Ghildiyal, Deputy Secy., PMO द्वारा राहत–राहत बचाव कार्यों का निरन्त अनुश्रवण किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी है तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात रहें
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी है। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत–बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक– 95 एवं पी0एस0सी0–85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन–12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी–02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी

तैनात है। वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है।

- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की जा रही है। GSI के भू–वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये है।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही है।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किय गये है।
- टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी रहें।

दिनांक–28.11.2023

- जनपद स्तरीय संसाधनों सहित सम्बन्धित विशेषज्ञों से विमर्श कर BRO,NHAI,RVNL,RITES, INDIAN RAILWAYS, USBRL, IRCON, KRCL, SJVNL, AUTHORTIY ENGINEER M/S NAVAYUGA ENGINEERING COMPANY LTD, ONGC एवं DESIGNER M/S BERNARD के तकनीकी एवं अन्य संसाधनों के उपस्थित विशेषज्ञों के सहयोग से निम्न कार्य सम्पदित किये गये।
- एन0एच0आई0डी0सी0एल0 द्वारा अवगत कराया गया है कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, तथा सभी फंसे हुए मजदूर/कार्मिक सुरक्षित हैं।
- दिनांक 20.11.2023 को फंसे मजदूरों के भोजन आदि सामग्री को भेजे जाने के लिये टनल के अन्दर तृतीय प्रयास में 06 इंच पाईप सफलतापूर्वक लगवाया गया, जिसकी लम्बाई बढ़ाई गयी। उक्त पाईप से फल/खाद्य सामग्री रोटी–दाल आदि/चिकित्सक के परामर्शानुसार दवाईयॉ भेजी गयी एवं संचार व्यवस्था स्थापित है। उक्त पाईप के आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किया गया ।

  योजना–1
- सिलक्यारा की तरफ से टनल के अन्दर 800 एम0एम0 पाईप में रैड मईनिंग के मजदूरों के माध्यम से आगे मजदूरों के माध्यम से खुदाई एवं ऑगर मशीन से पाईप फिट करने का कार्य किया गया। लगभग 57 मीटर पाईप फिट किया गया जो मलवे के पार गया तथा टनल के अन्दर सुरक्षा के दृष्टिगत 800 एम0एम0 का 01 अतिरिक्त पाईप जोड़ा गया। रात्रि 8:00 बजे से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र चिन्यालीसौड में भर्ती किया गया। मजदूरों को आवश्यक कपड़े/कम्बल आदि सामग्री वितरित की गयी।
- टनल के अन्दर 08 बेड़ का अस्थायी चिकित्सालय स्थापित किया गया है जहॉ पर आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण/मशीन तथा अन्य व्यवस्थायें की गयी।
- चिन्यालीसौड हवाईपट्टी में वायुसेना का एक चिनूक हैलीकॉप्टर स्टेंडबाई रखा गया।
- यातायात व्यवस्था की गयी। इसके अतिरिक्त समुचित प्रकाश व्यवस्था रखी गयी।

- जनरल (से.नि), बी.के सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, मा. मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड अपर सचिव सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, श्री मंगेश घिण्डियाल, उप सचिव, भारत सरकार सरकार, रेस्क्यू आभियान के समन्वयक डॉ. नीरज खैरवाल सचिव, उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी, एम.डी0, एनएचआईडीसीएल, सूचना महानिदेशक, जिलाधिकारी, एसडीएफआर कमाडेंट, एस0डी0आर0एफ0 कमाण्डेट, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी घटना स्थल मौके पर मौजूद रहें।
- जिस हेतु कार्यस्थल पर पर्याप्त मशीन एवं मानव संसाधन उपलब्ध है। सम्बन्धित विशेषज्ञों की टीम घटना स्थल पर उपस्थित रहते हुये कार्यवाही/निगरानी की गयी।
- आगर ड्रीलिंग मशीन के पास सुरक्षा उपाय किये गये है। कार्मिकों की सुरक्षा हेतु टनल के अन्दर ह्यूम पाईप/कंक्रीट आदि से 87.2 मीटर (187 मीटर से 120 मीटर) तक सुरक्षित Safe passage मार्ग निर्माण किया गया।

योजना 2

- सिलक्यारा की तरफ 1.2 मीटर व्यास वॉर्टिकल ड्रीलिंग कार्यवाही की गयी। प्रातः तक 43.50 मीटर ड्रीलिंग की गयी। उक्त स्थान पर साईट मॉनिटिरंग हेतु जिला प्रशासन/आपदा प्रबन्धन द्वारा साईट कन्ट्रोल रूम स्थापित कर मजदूरों हेतु टैंट लगवाये गये। संचार व्यवस्था हेतु Jio का टॉवर लगाया गया ।

योजना 03 (सिलक्यारा से वार्टिकल डीलिंग–RVNL)

- सिल्क्यारा की ओर से 170 मीटर टनल का निर्माण हेतु मशीनरी आपूर्ति की जा रही। साईट का सर्वेक्षण किया गया एवं कार्यस्थल पर प्लेटफार्म निर्माण किया गया। कार्यस्थल पर विद्युत आपूर्ति आदि की गयी। नासिक/दिल्ली से मशीनरी 22.11.2023 तक मशीनरी एवं अन्य लोग कार्य स्थल पर मौजूद। प्लेटफार्म निर्माण कार्य किया गया।
- सिलक्यारा की तफर से 6 इंच एवं 8 इंच की वॉर्टिकल ड्रीलिंग की जानी है। सिलक्यारा की तरफ से सीमा सड़क संगठन द्वारा टनल के ऊपर पहुॅच सड़क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर RVNL को उपलब्ध कराया गया। मशीनरी आपूर्ति की जा रही है RVNL को विघुत आदि सामग्री की आपूर्ति की गयी। प्लेटफार्म तैयार कर तक 72 मीटर ड्रीलिंग पूर्ण की गयी तथा ड्रीलिंग कार्यवाही गतिमान है।
- एस0डी0आर0एफ0 आदि के माध्यम से संचार व्यवस्था की गयी
- विघुत आपूर्ति की गयी
- ड्रील हेतु जल आपूर्ति लाईन निर्माण की गयी है। उत्तराखण्ड पेयजल सम्बन्धी कार्मिक उक्त कार्य हेतु उपस्थित रहें।।

योजना 04

- बडकोट की तरफ से वॉर्टिकल ड्रीनिंग हेतु ONGC द्वारा साईट सर्वेक्षण किया गया। इन्दोर से एयर ड्रीलिंग रिग मशीन कार्यस्थल पर पहुॅच गयी इसके अन्य एयर हेमर ड्रीलिंग ऋषिकेश में रखी गयी , मैंगो कटर मशीन आज कार्यस्थल पर पहुॅचायी गयी। मशीनरी आपूर्ति की गयी। सीमा सड़क संगठन द्वारा मार्ग निर्माण किया गया। जिसमे 5000 मीटर में से रात्रि तक लगभग 1100 मीटर सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण किया गया ।कार्य गतिमान रखा गया।

योजना 05

- THDC द्वारा बड़कोट की ओर से 483 मीटर टनल का निर्माण कार्य (क्षैतिज ड्रिलिंग) उक्त कार्य हेतु कार्यस्थल पर मशीनरी/मानव संसाधन तैनात किये गये। मलवा की सफाई/ड्रीलिंग/शॉटक्रीट की कार्यवाही गतिमान है। तक कुल 13.20 मीटर लम्बाई टनल तैयारी की गयी है तथा 18 रिब तैयार की गयी ।

योजना 06

- टनल के अन्दर Drift inside Tunnel के निर्माण हेतु (1.2 मीटर X 1.5 मीटर) हेतु रूपरेखा तैयार कर सेना के वेल्डरों द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। 22 फ्रेम तैयार किया गये। जिसमें सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान थे।
- घटना स्थल हेतु आने वाली मशीनरी हेतु पुलिस सम्बन्धित विभाग के संशाधन तैनात कर यातायात सुचारू करते हुये ट्रैफिक में फंसी मशीनों को घटना स्थल हेतु भेजा गया ।
- कार्यरत मजदूरों/कर्मिकों हेतु अतिरिक्त कम्बल/गद्दे/टेंट आदि आपूर्ति किये गये ।
- दिनांक 27.11.2023 को मा0 प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के प्रमुख सचिव, डॉ0 पी0के0 मिश्रा एवं सचिव, गृह मंत्रालय भारत सरकार एव मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी आदि द्वारा घटना

स्थल का भ्रमण कर राहत–बचाव कार्यों का निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 25.11.2023 हैदराबाद से भारतीय सेना के डोनियर बिमान से 3 ISRO वैज्ञानिक, Plasma Cutting मशीन के साथ जौलीग्राण्ट सायं 4:30 बजे देहरादून पहुॅचाया तथा जौलीग्राण्ट देहरादून वाहन आपूर्ति करते हुये दिनांक 27.11.2023 को रात्रि 2:10 बजे घटना स्थल पर पहुॅचाये गये।
- दिनांक 27.11.2023 को चण्डीगढ़ से लेजर कटरघटना स्थल पर पहुॅचा।
- दिनांक 25.11.2023 को उड़ीसा से Heavy Pilling Rig मशीन 75 टन घटना स्थल हेतु ट्रॉला वाहन संख्या– GJ12PB9611 के माध्यम से भेजी गयी
- वलसाड से भेजी गयी मशीनरी एवं टीम को रात्रि तक घटना स्थलप पर पहॅचाया गया ।वाहनों को शीध्र भेजे जाने हेतु अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती कर यातयाता नियंत्रित किया तथा अतिरिक्त वाहनों की आपूर्ति की गयी।
- CIMFR संस्थान, रूडकी, ऑगर मशीन के विशेषज्ञ एवं GPR स्पेशल टीम घटना स्थल पर उपस्थित थे।
- मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जनपद अन्तर्गत कैम्प कार्यालय स्थापित करते हुये रेस्क्यू कार्यों का निरन्त अनुश्रणव कर मजदूरों का रेस्क्यू सुरक्षित व त्रीव गति से सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया गया है, जिसमें 09 बैड की व्यवस्था सहित प्रर्याप्त चिकित्सा सामग्री रखी गयी तथा 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात थे।
- चिन्यालीसौड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की गयी। जिसमें इंटरनेट संयोजित किया गया।
- उक्त के दृष्टिगत राहत–बचाव कार्यों, पुलिस अधीक्षक, 03 पुलिस उपाधीक्षक, 08 निरीक्षक, 12 उप निरीक्षक, अन्य पुलिस कार्मिक– 95 एवं पी0एस0सी0–85 पुलिस रेडियों संचार निरीक्षक, 03 कार्मिक, अग्निशमन–12 जवान, एस0डी0आर0एफ के 02 निरीक्षक, 37 जवान, एन0डी0आर0एफ0 के 02 अधिकारी, 33 जवान, जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अधिकारी एवं 15 कार्मिक एवं नोडल अधिकारी/कार्मिकों की रोस्टरवार तैनाती, आई0टी0बी0पी0 12वी0 वाहिनी मातली के 01 अधिकारी एवं 34 जवान, आई0टी0पी0पी0 35वी0 वाहिनी महिडाण्डा से 02 अधिकारी एवं 17 जवान, सेना के 03 अधिकारी, 02 जेसीओ एवं 34 अन्य जवान है, जल निगम महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, 06 सहायक अभियन्ता/कनि0 अभियन्ता, यू0जे0वी0एन0एल0 के अधिकारी/ड्रीलिंग एक्सपर्ट 02, सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी–02, जिला पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं 09 पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के अधिकारी/कर्मचारी तथा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तैनात रहें।
- वायुसैना के 02 हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध कर समन्वय किया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग तथा शासन से भी फंसे मजदूरों को ट्रॉमा/साइको केयर हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया जाने हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया ।
- जनपद में तैनात उप जिलाधिकारी घनशाली, हरिद्वार घटना स्थल पर तैनात रहें।
- विभिन्न संस्थाओं के कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति एवं ड्रीलिंग कार्य हेतु पेयजल आदि की आपूर्ति की जा रही है। GSI के भू–वैज्ञानिक द्वारा सर्वेक्षण किया गया।
- दिनांक 21.11.2023 को रेस्क्यू सम्बन्धी कार्यों हेतु सर्वेक्षण कैमरा पैटी जिसका वजन–42 kg एवं अधिकारियों को सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से स्यालना (सिलक्यारा) तक पहुॅचाया गया।
- पुलिस रेडियों संचार अधिकारी को संचार व्यवस्था हेतु 24 वॉकाटॉकी सैट आपूर्ति किये गये है।
- प्रकाश व्यवस्था हेतु 09 रिमोर्ट एरिया लाईट एवं 05 अस्का लाईट आदि सर्च लाईट घटना स्थल पर आपूर्ति की गयी। जिला पूर्ति विभाग के सहयोग से ईंधन आपूर्ति की जा रही है।
- टनल के पास फोन जमा करने हेतु कार्मिक तैनात किय गये है।

  टनल में फंसे मजदूरों/कार्मिकों के परिजनों/अन्य प्रदेशों के नोडल अधिकारियों के ठहरने/खाने एवं ट्रॉसपोर्ट एवं मजदूरों के परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग आदि समस्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात रहें

ऑपरेशन टनल
कामयाब
BREAKING NEWS
28 Nov

दिनांक–29.11.2023

सिलक्यारा टनल से रेस्क्यू किये गये सभी मजदूरों से प्रातः मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पुनः मुलाकात की गयी तथा प्रत्येक मजदूरों को रू0 1.00 लाख की राहत राशि का चैक वितरित किया गया। चिकित्सकों द्वारा सभी मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। सभी मजदूरों को हवाई पट्टी चिन्यालीसौड़ से वायुसेना के चिनूक हैलीकॉप्टर के माध्यम से मानसिक परीक्षण हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया गया तथा मजदूरों के परिजनों को 05 वाहनों के माध्यम से सड़क मार्ग से भेजा गया । उक्त के उपरान्त सभी मजदूरों को गृह जनपद/आवास तक पहुॅचाया गया जिस हेतु नोडल अधिकारी तैनात कर उनके गनतव्य हेतु भेजे गये।

क्र. सं	कार्यो का विवरण	छाया चित्र	
	➢ दिनांक 12.11.2023 को प्रातः 8:45 बजे सूचना प्राप्त होते ही जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र को सक्रीय किया गया। ➢ जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तत्काल दूरभाष नम्बर से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, सम्बन्धित उपजिलाधिकारी एवं जनपद स्तरीय सम्बन्धित अन्य अधिकारियों एवं राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र को अवगत कराया गया।		
	➢ राहत–बचाव हेतु पुलिस/एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0/ अग्निशमन टीम/राजस्व/लोक निर्माण विभाग/त्वरित कार्यवाही दल सहित सभी सम्बन्धितों को तत्काल मौके पर भेजा गया।		

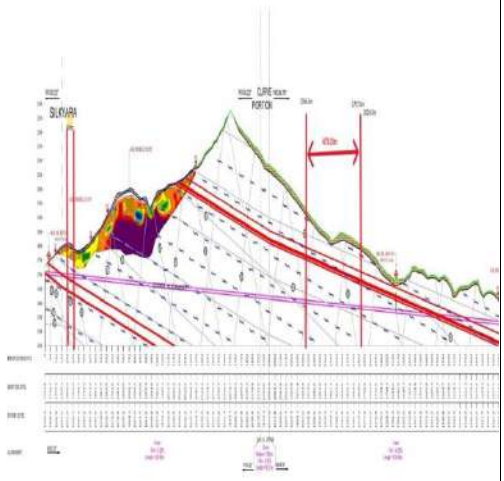

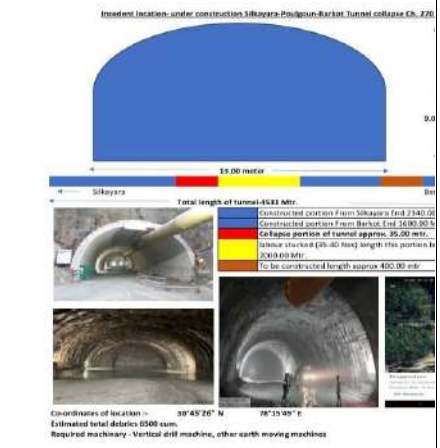

	➢ एन0एच0आई0डी0सी0एल0 से वार्ता कर घटना की स्थित को समझते हुये मानचित्र तैयार कर स्थिति से सभी सम्बन्धितों को अवगत कराया गया।	 	
	➢ घटना के सम्बन्ध में आख्या तैयार कर शासन को प्रेषित करते हुये तत्काल प्रेस विज्ञप्ति जारी की गयी। ➢ मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आई0आर0एस0 के उपस्थित नोडल अधिकारियों बैठक कर अपर जिलाधिकारी को तत्काल मौके पर भेजे गये। ➢ जनपद के कतिपय अधिकारी दीपावली अवकाश होने के कारण जनपद से बाहर थे तत्काल अधिकारियों कीछूट्टीयॉ रद्द कर तैनात अधिकारी सीधे मौके पर पहुॅचे।	 	 आदेश 12.11.2023 13.11.2023
	➢ 24X7 की तर्ज पर साईट कन्ट्रोल रूम, हैल्प डेस्क की स्थापना कर स्टैजिंग एरिया एक्टिवेट किया गया। ➢ रोस्टवार उप जिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों की 24X7 तैनाती की गयी।	 	

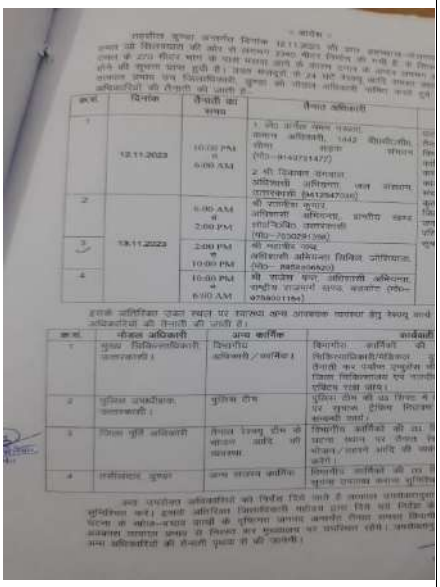

	➢ घटना के सम्बन्ध में तत्काल प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा 24X7 की तर्ज पर हेल्पलाईन नम्बर जारी किये गये। ➢ एन0एच0डी0सी0एल0 के अधिकारियों से समन्वय कर अतिरिक्त मशनरी के आपूर्ति के सम्बन्ध मे कार्यवाही/समन्वय किया गया।	:: हेल्पलाइन :: जनपद उत्तरकाशी के तहसील डुण्डा अन्तर्गत दिनांक 1 एन0एच0आई0डी0सी0एल0 के सिलक्यारा-पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल की तरफ से टनल के 270 मीटर भाग के पास मलवा आने के कारण फसे 40 मजदूर से सम्बन्धित सूचना हेतु हेल्पलाइन नम्बर– क्र.स. | कन्ट्रोल रूम | सम्पर्क नम् 1 | जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी। (जिला मुख्यालय) | 01374–222722, 222 मो0 नम्बर– 750033 2 | पुलिस कन्ट्रोल रूम, उत्तरकाशी | 7455991223 7818066867 (सिलक	Uttarkashi Police Uttarakhand 21h सिलक्यारा टनल हादसे में अपडेट व सहायता हेल्पलाइन जारी।... See more सिलक्यारा टनल रेस् हेल्पलाइन नम्बर +91 74559 91 24x7 Uttarkashi Police Uttarak
	➢ एन0एच0डी0सी0एल0 के अधिकारियों से समन्वय कर अतिरिक्त मशनरी के आपूर्ति के सम्बन्ध मे कार्यवाही/समन्वय किया गया।		
	➢ सीमा सड़क संगठन, एन0एच0आई0डी0सी0एल0 आदि संस्थानों द्वारा टनल के अन्दर आये मलवे को युद्ध स्तर पर हटाया गया।		

	➢ खोज–बचाव एवं सुरक्षा के दृष्टिगत आई0टी0बी0पी0 12 वीं वाहिनी मातली / आई0टी 0पी0पी0 35 वीं वाहिनी महिडाण्डा की तैनाती की गयी।	
	➢ टनल के ऊपरी भाग का क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना के दृष्टिगत विभिन्न खोज–बचाव दलों से सर्वेक्षण करवाया गया।	
	➢ घटना स्थल के पास मीडिया सेन्टर स्थापित किया गया।	

	➢ घटना स्थल पर ड्रोन कैमरा से सर्वेक्षण किया गया।	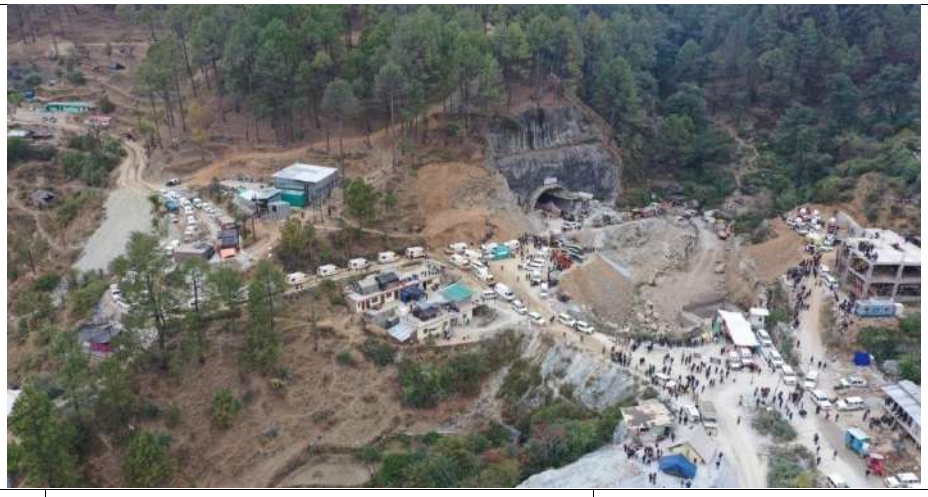
	➢ लो0नि0वि0 से 02 जे0सी0बी0, जल संस्थान से वोरिंग मशीन, तथा L&T से आर0ओ0सी0 ड्रीलिंग मशीन की व्यवस्था कर मौके पर भेजा गया।	
	➢ घटना स्थल से 05 किमी0 की दूरी पर स्थान स्यालना के पास घटना के अगले दिन ही अस्थायी हैलीपैड का निर्माण किया गया।	

	➢ शासन द्वारा उत्तराखण्ड पेयजल निगम का विशेषज्ञों के माध्यम से ऑगर मशीन द्वारा ड्रीलिंग कार्य प्रारम्भ करते हुये 900/800 एम0एम0 के पाईप घटना स्थल पर पहुॅचाये गये।		
	➢ जिला पूर्ति अधिकारी के द्वारा राहत कार्यों में तैनात कार्मिकों हेतु भोजन व्यवस्थ एवं ईंधन आदि की आपूर्ति की गयी। राहत कार्य में लोगों की संख्या अधिक होने के करण हंस कल्चर सेन्टर, नई दिल्ली से भोजन आदि व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया। ➢ वि ोशज्ञों, भारत सरकार/राज्य सरकार के अधिकारीगणों एवं रेस्क्यू से सम्बन्धित अन्य लोगों के ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था की गयी।		
	➢ हवाई पट्टी (चिन्यालीसौड) को रेस्क्यू कार्यों हेतु सक्रीय कर नोडल अधिकारी/आवश्यक व्यवस्था की गयी। ➢ चिन्यालीसौड हवाई पट्टी में एयरफोर्स के 03 विमान के माध्यम से 01 अतिरिक्त ऑगर मशीन दिल्ली से पहुॅचाई गयी। जिसे रात्रि में ही सड़क मार्ग से घटना स्थल पर पहुॅचाया	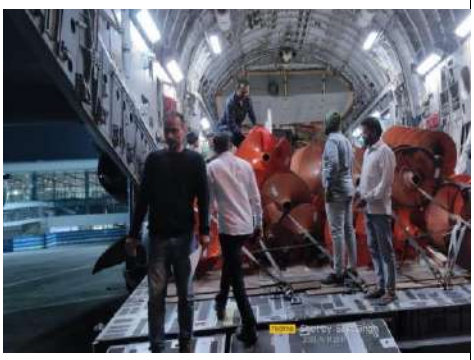	

	गया। ➢ मशीनरी को शीघ्र घटना स्थल पर पहुॅचाये जाने हेतु यातायात नियंत्रण हेतु विभिन्न स्थानों पर पुलिस तैनात करते हुये संकरे सड़क मार्ग का मरम्मत व मशीनों की व्यवस्था की गयी। ➢ म ीनों को अन्य जनपदों एवं जोलीग्राण्ट एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से घटना स्थल तक पहुॅचाये जाने हेतुGreen Corridor की व्यवस्था की गयी। ➢ घटना स्थल का दौरा करने वाले समस्त जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा एवं घटना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था		
	➢ संचार व्यवस्था हेतु अस्थायी पुलिस रेडियों संचार कन्ट्रोल रूम बनाया गया तथा अस्थायी पुलिस चौकी बनायी गयी। ➢ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त संचार व्यवस्था हेतु वॉकी–टॉकी आवंटित की गयी। ➢ घटना स्थल पर सचार सुविधाओं को सुदृढ़ किये जाने हेतु जियो, एयरटेल, बी0एन0एन0एल0 वी0आई0 के अस्थायी मोबाइल टॉवर स्थापित किये गये ।		
	➢ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना स्थल पर तैनात विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों/कार्मिकों/ ऑपरेटरों के ठहरने हेतु टैंट, कम्बल/गद्दे आदि की व्यवस्था की गयी। ➢ जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा घटना स्थल पर विभिन्न बैठकों हेतु वीडियों कन्फ्रेसिंग सिस्टम लगवाया गया। ➢ जनपद आपदा प्रबन्धन		

प्राधिकरण द्वारा साईट स्टोर रूम बनाया गया।

- राहत–बचाव कार्य हेतु अतिरिक्त वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था की गयी।

- कार्यरत कार्मिकों एवं श्रमिकों के शीतलहरी से बचाव हेतु जलौनी लकड़ी की व्यवस्था कर अलाव जलाये गये।
- कार्यों की मॉनिटिरिंग हेतु सी0सी0टी0वी0 लगवाये गये।
- घटना स्थल पर एक 08 बेड का अस्थायी स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किया गया।
- टनल के अन्दर जाने वाले के मोबाइल आदि जमा किये जाने हेतु सेन्टर बनाया गया।
- विभिन्न योजनाओं के कार्य स्थल पर साईट के सूपरविजन हेतु जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा कैनोपी/टैंट लगवाते हुये निगरानी की गयी।

	➢ तकनीकी विशेषज्ञों/उपकरणों को शीघ्र घटना स्थल पर पहुॅचाने हेतु शासन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड से समन्वय कर समय–समय पर मांग के अनुसार हैलीकॉप्टर उपलब्ध करवाया गया।	
	➢ योजना के अनुसार विभिन्न संस्थाओं को आवंटित कार्यों के चिन्हित स्थल पर मशीनरी पहुॅचाये जाने हेतु सीमा सड़क संगठन द्वारा युद्ध स्तर पर सम्पर्क मार्ग तैयार की गयी।	
	➢ विघुत विभाग द्वारा घटना स्थल पर कार्य करे रहें विभिन्न संस्थाओं की मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति किये जाने हेतु अस्थायी विघुत उपकेन्द्र स्थापित कर विघुत आपूर्ति की गयी। इसके अतिरिक्त पथप्रकाश आदि व्यवस्था की गयी।	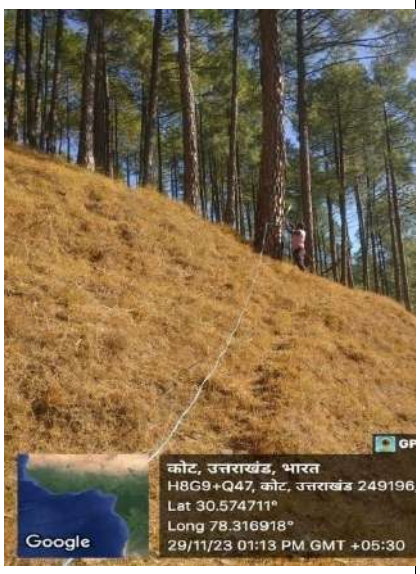

<table>
<tr>
<td></td>
<td>➢ उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा ड्रीलिंग साईट पर ड्रील हेतु पानी की लाईन तैयार कर आपूर्ति करते हुये नियमित पेयजल आपूर्ति भी की गयी।</td>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>➢ जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा कार्यरत समस्त एजेन्सियों/अधिकारियों एवं एन0एच0आई0डी0सी0एलव तथा शासन से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थायें करवाते हुये रेस्क्यू कार्य की दैनिक प्रगति आख्या उच्चाधिकारियों एवं शासन को प्रेषित की गयी।</td>
<td>
समय: 11:00
प्रेस विज्ञप्ति
दिनांक 12 नवम्बर 2023 को जनपद उत्तरकाशी के यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग धरासू एवं बड़कोट के मध्य सिल्क्यारा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन टनल लगभग 4531 मी0 की सुरंग जिसका कि सिल्क्यारा की तरफ से 2340 मी0 तथा बड़कोट की तरफ से 1750 मी0 निर्माण हो चुका है, में प्रातः 8:45 पर सिल्क्यारा की तरफ से भू-धसाव होने की सूचना प्राप्त हुई है। प्राप्त सूचना के अनुसार सिल्क्यारा की तरफ से लगभग 270 मीटर अन्दर 30 मीटर क्षेत्र में मलबा आने के कारण 40 व्यक्ति फंसे हुए है। एन.एच.आई.डी.सी.एल. द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार उक्त फंसे मजदूर/कार्मिकों में उत्तराखण्ड- 02, हिमाचल- 01, बिहार-04, प0 बंगाल-03, उत्तरप्रदेश-08, उड़ीसा के 05, झारखण्ड-15 एवं असम-02 मजदूर होना बताया गया है। जनपद तथा राज्य स्तर पर आई0आर0एस0 को सक्रिय है।</td>
<td>
जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्त
mail-ddmauttarkashi@gmail.com
दिनांक- 12.11.202
आख्या:- निर्माणाधीन टनल का भाग क्षतिग्रस्त होने के सम्बन्ध में।
कार्यवाही:-</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>➢ जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी द्वारा दैनिक रूप से घटना स्थल पर उपस्थिति रहते
हुये समन्वय स्थापित किया गया।</td>
<td>
</td>
<td> </td>
</tr>
</table>

	➢ बी0एस0एन0एल0 / एस0डी0 आर0एफ0 द्वारा टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों के साथ संचार करने हेतु Intercom स्थापित किया गया।	
	➢ घटना स्थल पर अन्य विभागीय वाहनों एवं परिवहन विभाग के सहयोग से अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराये गये। वाहनों हेतु ईधन आदि की आपूर्ति की गयी। ➢ जौलीग्राण्ट एयरपोर्ट देहरादून, ऋशिके ा एवं अन्य स्थानों से आने वाली मशीनों व विषय वि ोशज्ञों हेतु वाहन उपलब्ध करो गये।	
	➢ टनल में फंसे श्रमिकों के परिजनों / अन्य प्रदेशों के आये नोडल अधिकारियों के ठहरने / खाने एवं आवागमन हेतु वाहन एवं मूलभूत आव यकताओं की व्यवस्था की गयी।	

	➢ परिजनों से लाइजिनिंग/कॉउंसिंलिग, मनोचिकित्कक पराम र्श आदि कार्यवाही भी की गयी है। ➢ चिकित्सकों द्वारा नियमित रूप से टनल में फंसे मजदूरों से वार्ता करते हुये मनोचिकित्सा वि ोशज्ञों द्वारा पराम र्श करते हुये अन्य आव यक दवाईयॉ उपलब्ध करायी गयी।		
	➢ घटना स्थल पर 41 एम्बुलेंस, 15 चिकित्सक एवं 90 अन्य स्वास्थ्य कर्मी/चालक तैनात किये गये।		
	➢ रेस्क्यू कार्यों के डॉक्यूमेंटे ान हेतु समस्त रेस्क्यू कार्यों की वीडियों/फोटोग्राफी की गयी। ➢ चिन्यालीसौड में श्रमिकों के उपचार हेतु 41 बेड युक्त चिकित्सा वार्ड तैयार किया गया। जहॉ पर श्रमिकों व उनके परिजनों के भोजन आदि की व्यवस्था भी की गयी।		

	➢ सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त एम्बुलेंस के माध्यम से ➢ सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र चिन्यालीसौड में भर्ती किया गया। ➢ मजदूरों को आवश्यक कपड़े/कम्बल आदि सामग्री वितरित की गयी।		
	➢ भारतीय वायु सेना से समन्वय कर चन्यालीसौड हवाईपट्टी में वायुसेना का एक चिनूक हैलीकॉप्टर को श्रमिकों AIIMS ऋषिकेश भेजे जाने हेतु तैनात किया गया। ➢ मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा श्रमिकों से पुनः मुलाकात की गयी तथा प्रत्येक मजदूरों को रू0 1.00 लाख की राहत राशि का चैक वितरित किया गया है। ➢ चिकित्सकों द्वारा सभी मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। ➢ सभी मजदूरों को हवाई पट्टी चिन्यालीसौड़ से वायुसेना के चिनूक हैलीकॉप्टर के माध्यम से मानसिक परीक्षण हेतु AIIMS ऋषिकेश पहुॅचाया गया। ➢ श्रमिकों के परिजनों को 05 वाहनों के माध्यम से सड़क मार्ग से भेजा गया है। ➢ उक्त के उपरान्त सभी मजदूरों को गृह जनपद/आवास तक पहुॅचाये जाने हेतु अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी को नोडल अधिकारी तैनात करते हुये उनके गन्तव्य तक भेजा गया।		

टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों का एवं सम्बन्धित राज्यों के तैनात नोडल अधिकारी विविरण

(झारखण्ड–15, उत्तरप्रदेश–08, बिहार–05, उडीसा–05, पं0 बंगाल–03, उत्तराखण्ड–02, असम–02, हिमाचल–01)

क्र. स.	नाम	पिता का नाम	पता	राज्य का नाम	सम्बन्धित राज्यों के नोडल अधिकारी	मोबाईल नं0
1	विशाल कुमार	धर्म सिंह	मण्डी	हिमाचल प्रदेश		7876019267
2	विश्वजीत कुमार	हेमलाल महतो	ग्राम सिमराधाब	झारखण्ड	श्री भूवनेशव प्रसाद– मो0– 7762843006	8789689146
3	सुबोध कुमार	बुधन कुमार	ग्राम सिमराधाब	झारखण्ड		7633974639
4	अनिल बेदिया	चकरू बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		9835919157
5	राजेंन्द्र बेदिया	श्रवण बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		8950454307
6	सुकराम	बढन बेदिया	खिराबेरा रांची	झारखण्ड		9835546012
7	टिंकू सरदार	बोनू सरदार	दुमरिया	झारखण्ड		9905807977
8	गुनोधर	चन्द्रमोहन	मणिकपुर बाराबोतला	झारखण्ड		6202379367
9	रंनजीत सिंह	रिसपाल लौहार	मणिकपुर बाराबोतला	झारखण्ड		6379498972
10	रविन्द्र	धनंजय नायक	मणिकपुर दुमरिया	झारखण्ड		7294165808
11	समीर	सन्तोष नायक	बन्कीसौल दुमरिया	झारखण्ड		7667490415
12	महादेव	घासीराम नायक	चेलाबेडा पश्चिमी सिंहभूम	झारखण्ड		6352539912
13	भुक्तू मुर्मु	बसेत मुर्मु	कुंडालुका बांकीसोल	झारखण्ड		9324684079
14	चमरा उराव	भगतु उरॉव	ग्राम लरता कुर्रा	झारखण्ड		9508507189
15	विजय होरेा	अर्जुन होरो	ग्राम गुमड लरता	झारखण्ड		7763005674
16	गणपति	खिदुवा	ग्राम मदुगामा कुर्रा	झारखण्ड		7505554716
17	सबाह अहमद	मिसवाह अहमद	ग्राम पेउर पो0 पेउर भोजपुर	बिहार	श्री प्रत्य अमृत मो0–9431815833	9693629604
18	सोनू साह	स्वालिया शाह	ग्राम साहनी	बिहार		7668755170
19	विरेन्द्र किसकू	मुनी लाल किसकू	तेतरिया कटोरिया	बिहार		7983141686
20	सुशील कुमार	राजदेव विश्वाकर्मा	ग्राम चंदनपुर	बिहार		7909020292
21	श्री दीपक कुमार	श्री शत्रुघन, बिहार	मुज्जफरनगर	विहार		6209020080
22	सेविक पखेरा	असिथ पखेरा	हरीनाखली	पश्चिम बंगाल	श्री अश्विन कुमार– मो0– 8637065545	7047393809
23	मानिर तालुकदार	केतालुकदार	कुछ बिहार	पश्चिम बंगाल		9476273821
24	जयेदव परमानिक	तापश परमानिक	निमडांगी हुगली	पश्चिम बंगाल		9477890395
25	तपन मंडल	मन्तु लाल मंडल	सनकरसनापुर	उडिसा	श्री सत्यनारायण आचार्य, मो0 7008053648	8984405190
26	भगवान बत्रा	मंतू बत्रा	ग्राम नवरंग पुर	उडिसा		7000018542
27	विशेषर नायक	महेश्वर नायक	जोगीबन्द मयूरबंज	उडिसा		6300436870
28	राजू नायक	मुचीसम नायक	कुल्दिया बडकेदम मयूरबंज	उडिसा		7853008180
29	धीरेन	मयूर भंजउडीसा	बडाकुदर	उडिसा		9548049454

30	अखिलेश कुमार	रमेश कुमार	कोलाना मिर्जापुर	उत्तरप्रदेश	श्री अरूण कुमार मिश्रा– मो0– 9721939303	7307227193
31	अंकित	सीताराम	ग्राम मोतीपुर कला	उत्तरप्रदेश		6345382923
32	राम मिलन	सुख सागर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6386722475
33	सत्यदेव	रामसागर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6306401120
34	सन्तोष	विसेश्रर	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		8174895656
35	जयप्रकाश	गनू	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		8810939673
36	राम सुन्दर	मनीराम	मोतीपुर	उत्तरप्रदेश		6386753905
37	मंजीत	चौधरी	भेरमपुर मंघा खीरी	उत्तरप्रदेश		7668745039
38	पुष्कर		पिथौरागढ,	उत्तराखण्ड	श्री देवेन्द्र सिंह पटवाल, मो0–9456147974	7819845509
39	गब्बर सिंह नेगी	श्री उदय सिंह	ग्राम विशनपुर कोटद्वार,	उत्तरखण्ड		9548379914
40	संजय	बीरेन	रामफलबिल कोकराजहर	असम	श्री कृपाल जोति मो0–9435592762	9389314661
41	रामप्रसाद	रूपेन नरजरी	रामफलबिल कोकराजहर	असम		6900885642

तैनात मशीनरी का विवरण–

So N.	Name of the agency	Machinery deployed	Man power
1	NHIDCL	1nos American Auger Machine air lift from **Delhi** by C-17 (three Flight) on emergent basis	**MD NHIDCL, Camped at site and headed the rescue opertation Director (A&F), Director T, ED (P) are supervising the operation at site since 12th Nov 2023 the day of the incident. Three ED (T)s are also present. 2 Managers & 4 engineers present at site. 350 techinical work force & 450 supporting force are working in the operation 24*7 on behalf of EPC contractor M/s NECL. Total = 825**
2		1nos Auger Machine air lift from **Indore** by C-17 (two Flight) on emergent basis	
3		Shotcrte machine 2nos from Devprayag (PKG III)	
4		1nos Shotcrete machine from Devprayag (PKG III)	
5		1nos Boomer from Devprayag (PKG III)	
6		1nos Grouting machine from Devprayag	
7		1nos HDD machine from Devprayag	
8		1nos Vertical Drilling machine from Devprayag	
9		1nos Hydraulic jack from Devprayag	
10		1nos Plate binding machine from Devprayag	
		Plasma Cutting Machine from Hyderabad	
		Lesar Cutting Mashin from Chandigarh	
		GPR d	
11		1nos ROC machine from Vikasnagar	
12	THDC	1nos Boring machine from THDC Tehri	**6 technical officers**
13	SJVNL	1nos Pile Rig machine from Devprayag	**Sr. Level officer 5, Technical Engg. 7 & 3 skilled labour Total = 15**
14		1nos Plie Rin machine from VALSAD Gujrat	
15		1nos Pile Rig machine from HIRA KUND ORISSA	
16		2nos MIG wellding machine from Saharanpur UP	
17	RVNL	1nos Excavator (Hitachi Ex-200) from Max infra/ RVNL-PK-1	**4 seinor officers, 2manager, 6 engg, 4 supervisous, 14 labour Total = 30**
18		1nos JCB from L&T/ RVNL PK-2	
19		Dumper from Silkyara site	
20		1nos Hydra-15 T from Max Infra/ RVNL-PK-1	
21		1nos Crane-35 T from Max Infra/ RVNL-PK-1	
22		Drilling Rig 8" bore from sardar tubwell store, 11Civil lines Rookee	
23		AVN 1200 TB (with components) from DELHI	
24		TBM component by flight from Mumbai & Nasik on emergent basis	

Manpower, Resources, Expertise and Technical knowhow deployed as per timeline Annexure-01

Sr. No.	Date	Agency / Department	Machinery/ Equipment's deployed	Manpower deployed	Technical/ Admin personnel deployed	Experts engaged	Total Manpower	Work done
1	12/11/2023	Health	DH/CHC Medical Unit- 9 Bed, Ambulance- 43, Oxygen cylinder-16, Oxycare-50, Medical Instrument, medication, Official Vehicles - 01	Ambulance driver /others- 47	Staff nurses-15, paramedics/lab technicians-26, Pharmacist and X-RAY Technicians-45	Doctors-22	155	Immediately established 8 bedded temporary hospital at the operation site with lifesaving medicines /equipment, frequent teleconsultation with Stranded workers round the clock and at the time of evacuation of stranded workers established another 08 bedded temporary hospital inside the Tunnel. At Community Health Centre (CHC) Chinyalisaur arranged 41 bedded special wards.
2	12/11/2023	Police	Search and Rescue Equipment, Search Light, Tent-2, Official Vehicles - 14.	HC-20, CON-45, PAC- 85	SP-1, CO-3, INSP-08, SI-12, ASI-15		189	Responsible for maintaining law & order at Silkyara Tunnel site/different helipads/air strip/hospital and manage crowd control. Establishment of Police Control room, temporary police chowki and check post barrier at operation site.
3	12/11/2023	SDRF	Search and Rescue Equipment, Search Light, Inflammable tower (Aska)- 2, Pelican light-2 communication system in tunnel, Official Vehicles - 07	33 Search and rescue staff	5 officers	Communication device expert-1	39	Search and rescue work
4	12/11/2023	NDRF	Cutter & Search and Rescue Equipment, Search Light, Tower light- 2, Official Vehicles - 8	59 Search and rescue staff	3 officers		62	Search and rescue work
5	12/11/2023	ITBP 35BN	Search and Rescue Equipment, Search Light, Official Vehicles - 01	16 Search and rescue staff	1 officer		17	Tunnel Entrance & Crowd Management
6	12/11/2023	ITBP 12BN	Rescue Equipment with lifesaving medicine, Ambulance-1, Official Vehicles - 03	55 Search and rescue staff with medical representive	5 officers		60	Tunnel Entrance & Crowd Management
7	12/11/2023	Fire	Fire tender-4, Mini tendre-3, rescue van-1, Search and Rescue and fire safety Equipment, Search Light, Official Vehicles - 01	24 Fire Man			24	Ensure fire safety arrangement at incident site as well as at helipad/air strip and site temporary hospital and CHC Chinyalisaur
8	12/11/2023	Police wireless	VHF Static -08, Rescue- 4, VHF H/H - 32, Heavy Duty battery-4, Official Vehicles - 01	HC-04	3 officers		7	Wireless communication and function the police control room at site.

9	12/11/2023	DDMA/District Administration	Silkyara Site control room, Help Desk, District Emergence control room, walkie-talkie- 30, Inflammable tower (Aska)- 8, Pelican light-13, tents- 06, bedding, blankets, firewood for night duties, Official Vehicles - 42	113 Staff	17 Officers	Geologist-1	130	Coordinated with experts/specialists from other state/department, state government for helicopter for experts/specialists during the operation. Coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies. Arranged stay, transportation and site visit of expert and VIP's, organized meeting among agencies, experts, and officials. Arranged machinery and other equipment's of all agencies. Establishment Site control room, Help Desk, District Emergency Operations Centre, CCTV control room, video conference system at site. allotted ID cards for all Agencies. Maintaining documents and preparing reports.
10	12/11/2023	USDMA/State Govt. officials	USDMA formed a committee and state govt. depute a senior officer for better coordination in different agencies also deputed some officer from other state to help the district administration. Official vehicle -07	14 Staff	10 Officers	Geologist/ Specialist-8	32	At first USDMA formed a committee of 7 expert/scientist of different agencies to inspect incident site for farther rescue action. After that state govt. depute a senior officer for better coordination in different agencies also deputed some officer from other state to help the district administration.
11	20/11/2023	Jal Sansthan Uttarkashi	HDPE pipe 90mm (1500Mtr), HDPE pipe 75mm (500Mtr), HDPE pipe 40mm (500mtr), Electric fug-01No, Union (65mm)-10No, Union (80mm)-20No, GI Reducer (80×65)02No, T&P Dia (80×65)-02No, 36" Wrench-02No, 24" Wrench-02No, Hexe Frame with blad-02No, Washpetion-01 No, Cistern-01No, Welding Machine with Generator-01, Boring Machine for 125 Dia Dia bore, Tanker -02, Official Vehicles - 02	Labour-30,	Executive Engineer-01, - Assistant Engineer-02, Junior Engineer-03, Fitter-10		46	As per requirement from RVNL, 500 LPM capacity of water supply was created. 2899 m pipeline was laid. 300 LPM by means of Gravity and rest 200 LPM arranged by means of pumping and laid 500m additional pipe line for the same. Arranged Boring machine and Drinking water facility with the help of 02 Nos Tankers continuously at site.
12	12-11-2023	Uttarakhand PayJal Nigam	steel pipe 900 MM (46Mtr), steel pipe 800 MM (66Mtr), Ogar machine 25 HP, Submersible Pump 5HP, HDPE pipe-800 Mt, Electricity Wire 150 Mt, Truck -3, Official Vehicle - 03	3 staff	4 Officer	senior officers-2, Expert-1	10	At first supply 800mm and 900mm steel pipe from Haridwar/ Dehradun/Ghaziabad and installed 25 HP Ogar machine for drilling escape tunnel.

13	12/11/2023	DSO UTTARKASHI	Food Arrangement for all search and rescue persons and staff at the incident site, Official Vehicles - 01	10 Staff	11 officers		21	Arrangement of food for the rescue worker experts/specialists as well as for the workers family members. Also responsible for the arrangement of fuel to the vehicle/machines involved during the operation and food for the people involved in the operation.
14	12/11/2023	Information Department	Media centre, Photographers & Videographer, Official Vehicles - 01	2 staff	1 officer		3	Responsible for media management, issuing regular press brief. Coordinating with all national and local media representee at operation site as well as other site of incidence.
15	13-11-2023	UPCL	1- CABLES (2X6MM SQ) = 200 MTRS. 2-CABLES (2X6 SQ MM) =400 MTRS. 3- LED LIGHTS- 06 No. 4- 24 NOS, 70-WATT LED LIGHTS. 5- Aluminium cables (2X6 SQ MM) 800 Mt. 6-Flood light (4X240). 7- Aerial bunch cables (3X35SQ mm)1.5 Km. 8- LED Street light 70 wat 06No. 9- LED tube light-1 No. 10- Transformer -02 (500 and 400 KVA). 11- 11 KV line 300 Mt. 12-Official Vehicle-03	26 Employee/Lineman/Line Coolie	6 officers		32	Provided electricity at the vertical drilling site, approach road and provided electricity to the micro TBM.
16	13/11/2023	Telecom Agency (BSNL, JIO, VODAFONE , AIRTEL)	All accessories for Strengthening of Telecommunication and internet connectivity, Official Vehicles - 04	8 technical staff of all agencies	2 officers		10	Establishment and Strengthening of Telecommunication and internet connectivity at incident site, CHC Chinyalisor and intercom facility tunnel site.
17	15/11/2023	CD PWD Chiyalishor	Tipper-1, Official Vehicles - 02	2 staff	officer- 1		3	worked as nodal officer at Chinyalisor air strip and arrange unloading and lodging of heavy machinery and equipment from airstrip to incident site.
18	15/11/2023	BRO	BD-50 - 02 No, Excavator - 02 No, Hydra- 02 No, Trailer -03 No, T/LC — 08 No, Precast Box Culvert Segment VariousSize - 50 No, Hume pipe 900 mm Dia NP-4- 18 Nos, Diesel-3880 Litre, Official Vehicles -03	GREF Subordinates/ CPLs-170	officer- 08		178	Prepared road at drilling site.

19	12/11/2023	NH, PWD BARKOT	Compressor- 01, Excavator with Breaker- 01, JCB-01, Hydra-01, DG 30 Kva-1, Grader-1, Roller- 1, Dumpers-2, Water Tanker-1, Official Vehicles - 02	6 other staff	officers -02		8	Maintain and activated temporary Helipad near the incident site (Syalana) and provided expert engineers at the operation site. Provided local resources/machineries, maintenance of Helipad near Syalana. Helped with heavy machinery movement.
20	12/11/2023	UJVNL, Uttarkashi	ROC Drilling Machine-01, Hydra Crane - 01, trailer - 01, 16 rooms UJVNL guest house, Official Vehicles - 07		Executive Engineer-06, Assistant Engineer-05, Junior Engineer-01	Drilling Expert - 03	15	Worked as Nodal officers shift-wise remain present at site as per order of DDMA and coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies. Arranged site visit of drilling expert organized meeting among firm and officials of NHIDCL. Machinery arranged from Lakhwar Multipurpose Project of UJVN Ltd. Also arrange accommodation and logistic for govt. officials, Expert and Specialist at departmental guest house.
21	12/11/2023	PWD, Uttarkashi/ Bhatwari	Excavator- 01, JCB-04, Official Vehicles - 02	12 staff	4 officer		16	Constructed and temporary Helipad near the incident site (Syalana). Worked as Nodal officers shift-wise remain present at site as per order of DDMA and coordination among different Rescue agencies as well as collect updated progress. Assist requirement by Rescue agencies.
22	18/11/2023	District Truism officer/Soil conservation officer/Labour officer (Logistic & family welfare)	Bus -01, Official Vehicles - 03	03 Staff	3 officers		6	Nodal for accommodation provided to relative and families of Stranded workers also providing food warm clothing, shoes, and communication facilities etc. Also arrange accommodation and logistic for other govt. officials, health worker and different states nodal officer.
23	13/11/2023	Road Transport Department	Arrange 20 No. of trailer and 12 taxi/maxi cab as per demand of district administration and working agencies, Official Vehicles - 02	12 staff	officers -02		14	Arrange 20 No. of trailer and 12 taxi/maxi cab as per demand of district administration and working agencies for transportations of heavy machines and expert/Specialist/VIP form different places at time to time.
24	14/11/2023	Social Welfare Department	Tents and barricades,Official Vehicles - 01	01 staff	officer- 1		2	Arrangement of tents and barricades for media centre and rescue personals in incident site.
							1079	

दैनिक जागरण
देहरादून, 18 नवंबर 2023
www.jagran.com

मिली 'सांस' बंधी आस

सुरंग में फंसा है लखीमपुर निवासी चौधरी का बेटा, डेढ़ वर्ष पूर्व इसी तरह की निर्माण कंपनी में ... में खो चुके हैं बड़ा बेटा

सुरंग में फंसे बेटे की जब सुनी आवाज तो आई जान में जान

जगी उम्मीद

अधिकारियों ने जाना झारखंड के फंसे श्रमिकों का हाल

श्रमिकों को निकालने को प्लान–सी भी

सुरंग में वर्टिकल और हारिजांटल बोरिंग कर मार्ग बनाने को किया जा रहा सर्वे

कसरत

रेस्क्यू में जुटी एजेंसियों को समय से उपलब्ध कराई जाए सहायता

पुलिस–प्रशासन ने माक ड्रिल कर परखी रेस्क्यू की तैयारी

फिर संकटमोचक की भूमिका में हरक्यूलिस

क्या है हरक्यूलिस

दिनोंदिन गंभीर हो सकती है श्रमिकों की मनोदशाः डा. दास

चिकित्सकों की राय

पोस्ट-ट्रामैटिक स्ट्रेस डिसआर्डर का है खतरा

श्रमिकों के उपचार को तैयार एम्स ऋषिकेश

डा. दास का कहना है कि इस घटना के बाद एम्स ऋषिकेश भी अलर्ट मोड पर है। यदि रेस्क्यू कर श्रमिकों को यहां लाया जाता है तो उन्हें हर तरह की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

लगातार संवाद से कम होगा मनोबल

श्रमिकों को आराम और दूसरा काम सौंपने की जरूरत

40 जिंदगियां

ऑपरेशन सिलक्यारा : कब होगा उम्मीदों का उजाला

ड्रिलिंग के बाद की कार्रवाई के लिए की गई मॉक ड्रिल

टनल में मौजूद था ह्यूम पाइप तो किसने और क्यों निकाला

लापरवाही : टनल से कुछ समय पहले ही निकाला गया था ह्यूम पाइप

बीमार होने लगे सुरंग में फंसे मजदूर, दवाएं भेजीं

कुछ मजदूरों को नहीं आ रही नींद, साथी बढ़ा रहे हौसला

अब तक क्या हुआ

12 नवंबर

13 नवंबर

14 नवंबर

15 नवंबर

16 नवंबर

17 नवंबर

मुरगुरे की रखी है बोरी

सुरंग में बीती दिवाली छठ पर्व का उल्लास भी खत्म

छह दिन बाद भी बाहर नहीं निकल पाए मजदूर

बाहर आने पर भी कई दिन सामान्य नहीं रहेगा जीवन

शुरुआती इलाज जरूरी

हिमालय में संभव हैं ऐसी घटनाएं : डॉ. राणा

आपदा नियंत्रण कक्ष से एसीएस ने जाना हाल

झारखंड सरकार के प्रतिनिधि पहुंचे

लापरवाही

प्राकृतिक नहीं, इंसानी भूल का नतीजा है हादसा

कहा, तीन माह के भीतर ले नहीं लिया गया सपोर्ट सिस्टम

टनल व्यास के तीन गुना ऊंचाई तक का हिस्सा ही संवेदनशील

'भाई को तो लेकर ही जाऊंगा'

मेरी किस्मत अच्छी थी, मैं बच गया : सतपाल

सातवां दिन... परिजन इंतजार में और विशेषज्ञ इंतजाम में जुटे रहे

सिलक्यारा सुरंग में मजदूरों को फंसे हुए सात दिन बीत गए। कई मजदूरों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, वे बस इसी इंतजार में बैठे रहे कि कब उनके अपने सुरंग से बाहर आएंगे। वहीं मुख्यमंत्री से लेकर पीएमओ से आए अफसर बैठक कर मंथन करते रहे कि किस तरह से सुरंग के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला जाए।

काम रुका, अब ऊपर से और साइड ड्रिलिंग की तैयारी

1750 हॉर्स पावर की है मशीन

177 मीटर तक ड्रिलिंग करनी होगी साइड से

ऊपरी सतह को करेंगे मजबूत

मजदूरों में आक्रोश, बोले-साथियों को नहीं सुरंग को बचाना चाहते हैं अफसर

अंदर फंसे साथी अब हिम्मत हार रहे हैं

अधिशासी निदेशक बोले- सभी मेरे बच्चों की तरह

डॉ. खेरवाल को बनाया गया नोडल अधिकारी

सिलक्यारा में नेटवर्क सेवा उपलब्ध होगी

सेना की कंपनी तैनात करने की तैयारी

जीवन बचाने के लिए आस्था की शरण में

श्रमिकों को निकालने में आधुनिक तकनीक की ले रहे मदद : धामी

बोले, पीएमओ के मार्गदर्शन में चल रहे रेस्क्यू में जल्द मिलेगी सफलता

दो प्लान पर एक साथ काम करने की जरूरत

एनएचआईडीसीएल के महाप्रबंधक इंजीनियर जसवंत कपूर और भूवैज्ञानिक अक्षय आचार्य बोले

जसवंत कपूर और अक्षय आचार्य।

वर्टिकल ड्रिलिंग से कम समय में पहुंचा जा सकता है भीतर : डॉ. बियानी

डीबीटीएस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य व भूगर्भशास्त्री हैं डॉ. एके बियानी

मलबे में दबी बताई जा रही हैं दो मशीन

जायजा लेने पीएमओ से पहुंची टीम

देहरादून एयरपोर्ट पर फिर उतरा भीमकाय विमान

तुम काम कर भी रहे हो या झूठ बोल रहे हो...

सुरंग में फंसे मजदूर साथियों से क्या कह रहे दर्द

छलका दर्द

सुरंग में फंसा 41वां श्रमिक है दीपक, चाचा ... पटेल से कराई गई उसकी बात

दीपक बोला-मेरा पेट नहीं भर रहा, मुझे बाहर निकालो

दीपक के चाचा ... पटेल।

वीरेंद्र ने पत्नी रजनी से पूछा बेटे का हाल

'आधा घंटा पहले बाहर आया था'

मिली 'सांस' बंधी आस

200 घंटे से उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे हैं 41 श्रमिक

125 मिमी का व्यास का पाइप ...

साझा प्रयास बंधा रहे जिंदगी बचाने की आस

श्रमिकों को बचाने के कार्य में देश-विदेश के **विशेषज्ञ और एजेंसियां** निभा रहीं अलग-अलग भूमिका

आरवीएनएल

आरआइटीईएस

बीआरओ

आइआइटी रुड़की

वन विभाग

एसजेवीएनएल

ओएनजीसी

टीएचडीसी

श्रमिकों को बचाने के लिए भारत आएंगे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ

टूट रहा स्वजन के सब्र का बांध, बढ़ रही चिंता

माइक्रो ड्रोन से होगा कैविटी क्षेत्र का सर्वे

बेटे की चिंता में मां ने त्यागा अन्न

गढ़वाल की ओर से खबरें पढ़ें
www.jagran.com

सिलक्यारा बचाव अभियान में मिल रहा मौसम का साथ

सुरंग में 80 मीटर अंदर तक गए गडकरी

सिलक्यारा की ओर से श्रमिकों को निकालने की उम्मीद बरकरार

जीवन बचाने में भी कांग्रेस को नजर आ रही राजनीति : चौहान

सिलक्यारा सुरंग हादसे ने खोली आपदा प्रबंधन की पोल : आर्य

भूस्खलन के तुरंत बाद मलबा हटाना गलत

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें
www.jagran.com/state/uttarakhand

देहरादून, बुधवार
22 नवंबर, 2023
गढ़वाल संस्करण

दैनिक जागरण

उत्तर की भयावहता में इजरायल व हमास संघर्ष विराम के करीब 14 | आतंकियों को शरण देता है कनाडा : भारत 14

संपादकीय

सप्तरंग

जागरण विशेष

जिंदगी बचाने का अभियान निर्णायक मोड़ की तरफ बढ़ा

10वें दिन पहली बार सामने आई सुरंग में फंसे श्रमिकों की फोटो व वीडियो, सभी के सुरक्षित होने की पुष्टि

जागरण संवाददाता, सिलक्यारा (उत्तरकाशी): उत्तरकाशी के सिलक्यारा में मंगलवार की सुबह पिछले 10 दिन से सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों की पहली बार फोटो और वीडियो सामने आने के सुखद समाचार के साथ शुरू हुई। यह संभव हो पाया सुरंग के मुख्य द्वार (सिलक्यारा की तरफ) वाले हिस्से से श्रमिकों तक पहुंचाए गए छह इंच व्यास के 57 मीटर लंबे लाइफ लाइन पाइप से, जिससे श्रमिकों तक एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरा भेजा गया। श्रमिकों की कुशलता को लेकर पुष्ट जानकारी मिलने से उनके स्वजन व अन्य श्रमिकों के साथ ही राहत एवं बचाव दल में ऊर्जा का संचार हुआ है। राहत एवं बचाव दल ने श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए सभी छह मोर्चों पर ताकत झोंक दी है। सिलक्यारा की तरफ 17 नवंबर की दोपहर से बंद हारिजांटल (क्षैतिज) ड्रिलिंग रात में शुरू कर दी गई। साथ ही सुरंग के ऊपरी भाग पर वर्टिकल (लंबवत) ड्रिलिंग के लिए मशीनों को स्थापित करने का काम शुरू कर दिया गया है। बड़कोट छोर पर भी वर्टिकल व हारिजांटल दोनों तरह की ड्रिलिंग की दिशा में एजेंसियों ने अहम कदम बढ़ा दिए हैं। कुल मिलाकर जिंदगी बचाने का अभियान अब निर्णायक मोड़ की तरफ बढ़ता दिख रहा है।

वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए प्लेटफार्म तैयार, एसजेवीएनएल ने मशीनें स्थापित करने की प्रक्रिया की शुरू

सुरंग के अंदर 17 नवंबर से बंद पड़ी औगर मशीन से फिर ड्रिलिंग शुरू, अब डाले जा रहे 800 मिमी व्यास के पाइप

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में भूस्खलन के बाद फंसे श्रमिकों का यह दृश्य छह इंच के पाइपलाइन के माध्यम से भेजे गए एंडोस्कोपिक कैमरे की सहायता से सामने आया है • प्रेट

सुरंग के ऊपर वर्टिकल ड्रिलिंग को पहुंचने लगी मशीनें

बड़कोट छोर से टीएचडीसी ने की आठ मीटर ड्रिलिंग

श्रमिकों तक भेजे संतरे, केले और खुबानी

निरंतर बचाव अभियान की जानकारी ले रहे प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य विभाग ने लगाई छुट्टियों पर रोक

देहरादून | सोमवार, 20 नवंबर 2023

अमर उजाला

सुरंग में भूस्खलन के खतरे के बीच तीसरे दिन रात 10 बजे फिर शुरू हो गई ड्रिलिंग

बैकअप प्लान के तहत सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए अस्थायी सड़क का काम अंतिम चरण में

ऑपरेशन सिलक्यारा

सुरंग के दोनों ओर से ड्रिलिंग के लिए किया सर्वे खाने व ऑक्सीजन के पाइप ह्यूम पाइप से कवर

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में रविवार रात 10 बजे औगर मशीन से ड्रिलिंग का काम फिर शुरू हो गया। भूस्खलन का खतरा कम करने के लिए शॉटक्रिट मशीन से स्प्रे किया गया है। बैकअप प्लान के तहत सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए अस्थायी सड़क बनाने का काम भी अंतिम चरण में है।

राहत एवं बचाव अभियान के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि ड्रिलिंग का काम बंद होने के तीसरे दिन रविवार को रात में फिर शुरू हो गया। वहीं, अंदर फंसे मजदूरों को खाने व ऑक्सीजन की सप्लाई के पाइपों को कंक्रीट ह्यूम पाइप से कवर कर दिया गया है। भूस्खलन होता भी है, तो इससे खाने के सामान और ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित नहीं होगी। उधर, सुरंग के दाएं और बाएं ओर से भी क्षैतिज ड्रिलिंग के लिए भूभौतिकी व भू-वैज्ञानिकों का सर्वे पूरा हो गया है। सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए बन रही 1200 मीटर लंबी सड़क का 900 मीटर हिस्सा बन चुका है। सूत्रों के अनुसार इस काम का जिम्मा स्तोनिधि, बीआरओ को सौंपा है।

रविवार रात 10 बजे सुरंग में ड्रिलिंग करते राहत व बचाव कर्मी। वहीं, दिन में अफसरों से जानकारी लेते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व सीएम पुष्कर धामी।

खाने के लिए डाला 150 एमएम व्यास का पाइप

सुरंग के अंदर फंसे 41 मजदूरों तक खाने पीने की चीजों की आपूर्ति के लिए 150 एमएम का पाइप डाला गया है। यह पाइप 40 मीटर तक अंदर डाला जा चुका है और 20 मीटर इसे और अंदर जाना है। इस पाइप से ही मजदूरों को अंडे, खाने के पैकेट और अन्य खाद्य पदार्थ भेजे जाएंगे।

ड्रिलिंग मशीन को कंक्रीट ब्लॉक से करेंगे सुरक्षित

सुरंग के अंदर ड्रिलिंग मशीन को भी भूस्खलन से बचाने के लिए कंक्रीट ब्लॉक से ढका जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन कंक्रीट ब्लॉक को बीआरओ ने विशेष रूप से भेजा है। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि एक बार ड्रिलिंग मशीन की सुरक्षा पुख्ता कर ली जाएगी, तो पाइप डालने का काम दोबारा शुरू हो जाएगा।

गडकरी ने बचाव कार्य का लिया जायजा

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को सिलक्यारा पहुंचकर सुरंग फंसे मजदूरों को बचाने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को सुरंग के अंदर फंसे लोगों की चिंता है। उन्हें बाहर निकालना सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह आपदा के साथ लड़ाई है, जिसमें मिलकर जीतेंगे।

अब रोबोट जाएगा अंदर

सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 मजदूरों की जिंदगी बचाने के लिए अब रोबोट की भी मदद ली जाएगी। यह रोबोट सुरंग के अंदर आए मलबे के ऊपर बची थोड़ी सी जगह से दूसरी तरफ जाएगा। इस रोबोट के जरिए दूसरी तरफ पाइप डालने समेत अन्य संभावनाएं तलाशी जाएंगी। यह जानकारी सचिव आपदा प्रबंधन डॉ रंजीत कुमार सिन्हा ने दी।

>> गडकरी बोले, यह आपदा के साथ लड़ाई, सब मिलकर जीतेंगे : 04 पर

ये है हेल्पलाइन नंबर

amarujala.com
अमर उजाला
देहरादून

लोगों की जिंदगी बचाने को अब रोबोट जाएगा अंदर

- रेस्क्यू में लग सकते हैं 30 से 40 घंटे
- साइड टनल आपस में मलबे के आगे मिलेगी
- बड़कोट छोर से अभी दो से ढाई मीटर व्यास की बनेगी सुरंग

रेस्क्यू के बाद वाडिया करेगा जियोलॉजिकल सर्वे

सुरंग धंसने की घटना की होगी सिलसिलेवार जांच

परिजनों की यात्रा का खर्चा उठाएगी सरकार : सीएम

यह आपदा के साथ लड़ाई है सब मिलकर जीतेंगे : गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने राहत एवं बचाव कार्य का लिया जायजा

- हिमालय का भूगर्भ चुनौतीपूर्ण है
- ऑगर मशीन का विकल्प सबसे अच्छा
- तकनीकी समिति करेगी कारणों की जांच

रेलवे व आईआईटी के विशेषज्ञों की मदद

विपक्ष सरकार पर हमलावर

प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी आपदा प्रबंधन की पोल खुली : आर्य

रेस्क्यू के नाम पर प्लान ए-बी-सी से आगे नहीं बढ़ पाई सरकार: माहरा

आपदा में सुझाव नहीं आलोचना कर रही कांग्रेस: चौहान

परिजनों से मिले नितिन गडकरी

सुरंग में चूक के लिए प्राधिकरण और कंपनी पर हो मुकदमा : नेगी

तैयार हो रहा नया रास्ता

खतरा : सुरंग में आ रहीं हैं चटकने की आवाजें

केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों ने डाला डेरा

बहन बोली– भाई को लेकर ही घर आना

जितना जल्दी हो निकाल लो हमें...

पहले दो दिन की गलती से बढ़ गया रेस्क्यू का समय और जोखिम

सरकार बुलाए तो मदद के लिए तैयार

मनोचिकित्सक ने मजदूरों का जाना हाल

अमर उजाला
75
महोत्सव विश्वास का
• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण
D
वर्ष 27 । अंक 270 । पृष्ठ : 14+16 । मूल्य : सात रुपये

अमर उजाला

देहरादून
गुरुवार, 24 नवंबर 20
कार्तिक शुक्ल-द्वादशी
विक्रम संवत-2080

amarujala.com

शामी ने बोले | मुकाबला हारने के बाद प्रधानमंत्री का गले

मजदूरों का एक और दिन सुरंग में बीता, फिर रुका ड्रिलिंग का काम

ऑपरेशन सिलक्यारा

ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन का बेस हिलने से रोकना पड़ गया बचाव अभियान

अधिकारी बोले- शुक्रवार सुबह फिर शुरू होगी ड्रिलिंग, दिन तक सफलता संभव

अमर उजाला ब्यूरो

सिलक्यारा (उत्तरकाशी)। 41 मजदूरों को 12वां दिन भी सुरंग के भीतर ही बिताना पड़ा। ऑगर मशीन के सामने आए सरिया को काटने में ही घंटों बीत गए, ये कटे तो मशीन का बेस हिलने से काम बाधित हो गया। देर शाम अफसरों ने बताया कि अब दोबारा ड्रिलिंग शुक्रवार सुबह ही शुरू होगी, वहीं ये भी चर्चाएं रहीं कि सुबह तक मजदूरों को निकाल लिया जाएगा।

बुधवार रात को चले अभियान की रफ्तार से यह उम्मीद जताई जा रही थी कि बृहस्पतिवार की सुबह तक सभी 41 मजदूर सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन रात को अमेरिकन ऑगर ड्रिल मशीन की राह में लोहे के सरिये व गाटर आ गए। इनसे मशीन का पुर्जा भी टूट गया। जिससे मशीन रोकनी पड़ी।

इसके बाद एनडीआरएफ के जवान ने करीब 40 मीटर तक पहुंचे 800 मिमी पाइप के भीतर घुसकर रुकावट को देखा। इसे काटने के लिए गैस कटर मंगाया गया। भीतर ऑक्सीजन कम होती है, गैस कटर चलाने पर यह और कम हो जाती है। लिहाजा, पहली टीम इसे नहीं काट पाई। इसके बाद दूसरी टीम भीतर गई, जिसे कई घंटों की मशक्कत के बाद सफलता मिली। बृहस्पतिवार सुबह दोबारा ड्रिल मशीन शुरू कर दी गई। नौवां पाइप भेजना शुरू किया। करीब 1.8 मीटर पाइप पहुंचा ही था कि मशीन में फिर तेज कंपन होने

मैं पुष्कर सिंह धामी बोल रहा हूं, अंदर सब ठीक तो है ना.... 04 पर

सुरंग के भीतर राहत एवं बचाव अभियान में जुटे कर्मचारी और इनसेट में मशीन के सामने आए सरिया। वहीं, सुरंग में फंसे मजदूरों से बात करते सीएम पुष्कर सिंह धामी और साथ में केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह (सेनि.)। अमर

एडवांस ड्रोन ने एआई के जरिये दिखाई मलबे में राह

सिलक्यारा। सफलता की राह में आ रही रुकावटों को दूर करने के लिए बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन, बीआरओ ने बेंगलूरू से दो एडवांस ड्रोन मंगाए, जिन्होंने एआई के जरिये अंतिम चरण में सुरंग के भीतर राह दिखाई। >> 04

एस्केप पैसेज बनाया होता तो नहीं फंसते मजदूर

सिलक्यारा। चारधाम महामार्ग विकास परियोजना में सिलक्यारा सुरंग में एस्केप पैसेज का निर्माण प्रस्तावित था। लेकिन, यह नहीं बनाया गया। यदि यहां एस्केप पैसेज का निर्माण किया होता तो सुरंग के अंदर मजदूर नहीं फंसते। >> 04

देर शाम तक काटा गया। इस दौरान

लिखे जाने तक इसे ठीक किया जा रहा

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और सीएम धामी ने डाला डेरा

बृहस्पतिवार को बचाव अभियान का निरीक्षण करने के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह (सेनि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौके पर पहुंचे। दिनभर दोनों नेता मजदूरों के सकुशल बाहर आने का इंतजार करते रहे।

मातली में अस्थायी सीएम कैंप कार्यालय बनाया गया

ऑपरेशन सिलक्यारा की मॉनिटरिंग के लिए मातली में मुख्यमंत्री का अस्थायी कैंप कार्यालय खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री धामी वहां कैंप कर रहे हैं।

>> इंतजार में बीता बृहस्पतिवार, हर शख्स रहा बेकरार...04 पर

खंडवाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह

वहीं, ये भी चर्चाएं रहीं कि सुबह तक मजदूरों को निकाल लिया जाएगा।

खतरे से बाहर 41 जिंदगियां

ऑपरेशन सिलक्यारा

हे देवता मानी जा, मैं तेरु भभूती लगाणु

कांग्रेस ने सिलक्यारा सुरंग को लेकर खड़े किए सवाल

गैस कटर से उठने वाले धुएं ने अंदर मजदूरों का बढ़ाया उत्साह

800 मिमी के पाइप को काटने के दौरान उठा धुआं तो अंदर से दी जानकारी

मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री ने भी सिलक्यारा में किया कैंप

दोनों की मौजूदगी से ऑपरेशन में लगे सभी लोग उत्साहित

सीएम ने पीएम को ऑपरेशन में बाधा आने की दी जानकारी

नजदीकी अस्पताल में 41 विशेष बेड तैयार

वैकल्पिक लाइफ लाइन बनाई गई

सुरक्षा कैनोपी, एस्केप टनल बनाई

हादसे से देश-विदेश में सुर्खियों में आया गुमनाम सिलक्यारा गांव

राज्य की सबसे लंबी है यह सुरंग

ऑपरेशन

सुरंग के ऊपर से भी ड्रिल की परिस्थिति अनुकूल

सबसे बड़ी मशीन भी पहुंची

हर बाधा पार कर रही ऑगर मशीन, अंतिम चरण में है काम

जीत गए जंग

चुनौतियों के पहाड़ को इन्होंने चीरा

श्रमिक बोले, पका खाना मिलने के बाद लगा कि अब हमें कुछ नहीं होने वाला

जिंदगी बचाने की जंग में एक मोर्चे पर दिखी विशेषज्ञ एजेंसियां

उम्मीदों को मंजिल तक ले गए रैट माइनर्स

देश दुनिया में चलाए गए बड़े बचाव अभियान

2018

2014

2010

2002

1989

देहरादून, बुधवार
29 नवंबर 2023
गढ़वाल संस्करण
www.jagran.com

दैनिक जागरण

त्योहारों में वाहनों की रिकार्ड बिक्री 13
भारतीय अंतरिक्ष यात्री को प्रशिक्षित करेगा नासा 15

संपादकीय

सप्तरंग

जागरण विशेष

जीत गई जिंदगी

400 घंटों तक चले जिंदगी बचाने के महाअभियान में 20 से अधिक एजेंसियों का रहा योगदान

12 नवंबर से चारधाम आलवेदर रोड परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे थे आठ राज्यों के 41 श्रमिक

7:45 वजे रात रांची का अनिल बेदिया सबसे पहले निकला सिलक्यारा सुरंग से बाहर

8:30 वजे रात उत्तराखंड के पौड़ी का गबर सिंह अपने वादे के मुताबिक आखिर में बाहर आया

रेस्क्यू मिशन मानवता और टीम वर्क की अद्भुत मिसाल : प्रधानमंत्री

ऐसे आगे बढ़े कदम

पहली उम्मीद **12**

दूसरी उम्मीद **12**

तीसरी उम्मीद **20**

चौथी उम्मीद **21**

पांचवीं उम्मीद

रैट माइनर्स ने मंजिल तक पहुंचाया

एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि

बौनी साबित हुई चुनौतियां

डाक्टरों की निगरानी में श्रमिक

हाथ जोड़कर जताया आभार

चार इंच का पाइप बना श्रमिकों के लिए वरदान

भीतर के पन्नों पर

jagran.com
1800 313 1212

सिल्क्यारा सुरंग में सारथी बनी रेस्क्यू टीम

जिंदगी की जंग जीते सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूर

ब्रेकिंग न्यूज समाचार एक्सप्रेस

उत्तराखण्ड। उत्तरकाशी 12 नवंबर को सुरंग धसने से शुरू हुए संघर्ष को सफलता मिल गई है। उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग से मंगलवार को सभी मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया व प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ में शिफ्ट किया गया। बचाव कार्य में तमाम बाधाओं के बावजूद आपातकालीन परिचालन केंद्र/नोडल अधिकारी व कर्मीको की विभिन्न टीमें हर संभव प्रयास में जुटी रही। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वहां मौजूद थे और कार्मिको के बाहर निकलने पर खुशी जताई व कहा कि सभी मजदूरों को उत्तराखंड सरकार की ओर से कल एक एक लाख रुपए की मदद दी जाएगी उन्हें एक महीने का सवेतन अवकाश भी दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर सभी मजदूरों से बात की व मजदूरों के बाहर आने पर खुशी जाहिर की और रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों का अभिवादन किया। बचाओ अभियान से जुड़ी

विभिन्न एजेंसिया के कार्मिक आपातकालीन परिचालन केंद्र/नोडल अधिकारी व विभिन्न अधिकारियों के चेहरे दमक उठे। यह ऐसा छड था जब सभी अधिकारियों व श्रमिकों के बीच कद और पद के सारे भेद मिट गए और भारत माता की जय जयकार के बीच सब एक दूसरे को बधाई देते हुए आपस में मुंह मीठा करते हुए खुशी जाहिर करते हुए नजर आए। सुरंग में कैद श्रमिकों का संबल और उन्हें बचाने के अभियान में जुटे कार्मिकों का धैर्य ही था जिसने रह रहकर उनकी निराशा के भाव को ना उम्मीद में नहीं बदलने दिया।

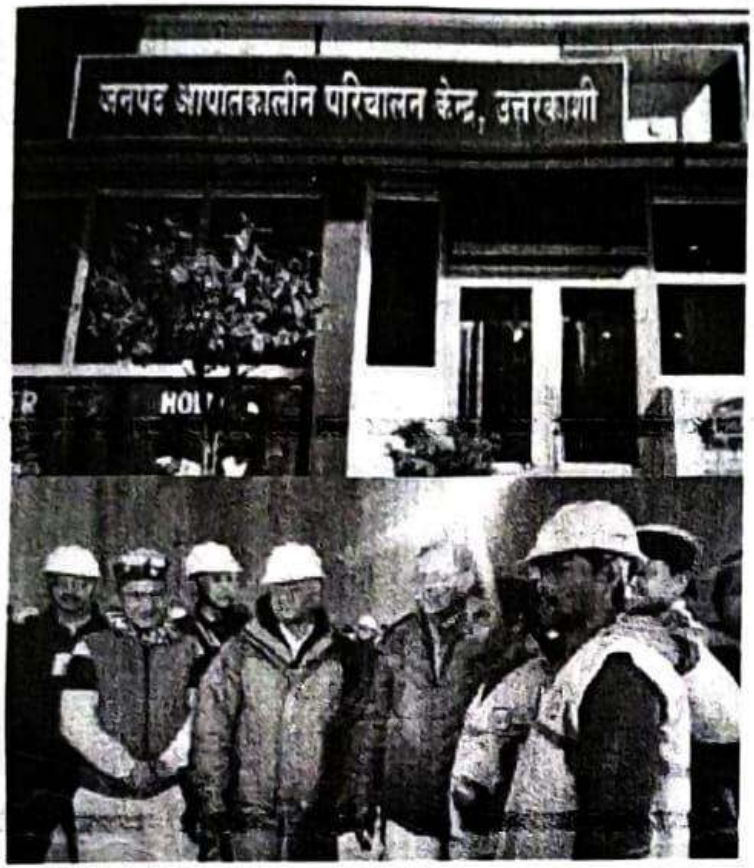

अमर उजाला 75 महोत्सव विश्वास का

वर्ष 37 | अंक 260

amarujala.com

शाह बोले

खाद्य वस्तुओं के दाम घटने का असर

खुदरा महंगाई घटकर चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुएं सस्ती होने से खुदरा महंगाई इस साल अक्तूबर में घटकर चार महीने के निचले स्तर 4.87 फीसदी पर आ गई। इससे पहले जून, 2023 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई 4.87 फीसदी रही थी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई सितंबर में तीन महीने के निचले स्तर 5.02 फीसदी पर रही थी। अक्तूबर, 2022 में यह आंकड़ा 6.77 फीसदी था।

- आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अक्तूबर की बैठक में 2023-24 के लिए खुदरा महंगाई 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। यह 2022-23 के 6.7 फीसदी के मुकाबले कम है।
- सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी दी है। एजेंसी

महादेव एप मामले में प्रमोटर सहित 32 पर मुकदमा दर्ज

हिमाचल प्रदेश की 104 साल की बुजुर्ग मतदाता का निधन

सिलक्यारा में सुरंग धंसी, 40 मजदूर फंसे

दीपावली की सुबह करीब 5.30 बजे हुआ हादसा

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सुरंग में 12 घंटे की शिफ्ट खत्म कर मजदूर रविवार सुबह करीब आठ बजे दीपावली की छुट्टी मनाने के लिए जाने ही वाले थे, लेकिन ढाई घंटे पहले ही 5:30 बजे सुरंग के सिलक्यारा वाले मुहाने से करीब 250 मीटर आगे 35 मीटर हिस्से में भूस्खलन हो गया। सुरंग में उस वक्त 45 मजदूर थे। मलबा गिरता देख पांच मजदूर तो बाहर भाग गए लेकिन 40 सुरंग में ही फंस गए।

चारधाम सड़क परियोजना के तहत यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन 4.5 किमी सुरंग का निर्माण कार्य अब करीब 500 मीटर शेष रह गया है। जिसका निर्माण मजदूर दो शिफ्ट में कर रहे हैं। बीते शनिवार रात आठ बजे शिफ्ट शुरू हुई थी। जिसमें 45 मजदूर काम पर गए थे। यह शिफ्ट रविवार को दीपावली के दिन सुबह आठ बजे खत्म होने वाली थी। इसके बाद सभी मजदूर साथियों के साथ दीपावली की छुट्टी मनाते, लेकिन इससे पहले ही सुरंग के सिलक्यारा वाले मुहाने से करीब 230 मीटर अंदर सुरंग टूट गई।

पहले धीरे-धीरे मलबा गिरा। जिसे सभी ने हल्के में लिया। फिर अचानक भारी मात्रा में मलबा आया और सुरंग बंद हो गई। इस दौरान पांच मजदूर भागते हुए बाहर आ गए और बाकी 40 मजदूर सुरंग के अंदर ही फंस गए। सुरंग के निर्माण कार्य में लगे झारखंड निवासी मजदूर हेमंत नायक ने बताया कि 12 घंटे की शिफ्ट में करीब 65 से 70 मजदूर काम करते हैं। शनिवार रात को कम मजदूर काम करने के लिए गए थे जिनकी शिफ्ट रविवार सुबह आठ बजे खत्म होने वाली थी, लेकिन ढाई घंटे पहले करीब 5:30 बजे सुरंग में हादसा हो गया।

चारधाम ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन है 4.5 किलोमीटर लंबी सुरंग

05 मजदूरों ने बाहर भागकर बचाई जान

एसडीआरएफ की चार टीम पहुंची

24 घंटे चल रहा रेस्क्यू

वॉकी-टॉकी से हुई सुरंग में फंसे मजदूरों से बात

आठ वैज्ञानिक संस्थाएं करेंगी जांच

सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालना सर्वोच्च प्राथमिकता : धामी

बोले- प्रधानमंत्री, गृह मंत्री ने दिया आश्वासन

नगर निकायों में प्रशासक नियुक्त करने की तैयारी

पाबंदी धुआं-धुआं...दिवाली पर जमकर आतिशबाजी

दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली-मुंबई

खतरे में जिंदगियां

अमर उजाला 3

मौके पर डटे डीएम-एसपी रद्द की अफसरों की छुट्टी

प्लान ए, बी और सी पर भी कर रहे काम : सीएम

दून और हरिद्वार से भेजे जाएंगे बड़े व्यास के ह्यूम पाइप

सीएम बोले- सरकार हर संसाधन उपलब्ध कराएगी

पांच-छह दिन की है ऑक्सीजन पाइप से आएंगे मजदूर : सिन्हा

आपदा प्रबंधन सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने लिया घटनास्थल का जायजा

ह्यूम पाइप होता तो बाहर आ जाते मजदूर

लेजर विधि द्वारा आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत फ्री ऑपरेशन

बवासीर (पाइल्स)

भगन्दर (फिस्टुला)

फिशर (गुदा मार्ग से खून आना)

वैरिकोस वेन्स

पिलोनीडल साइनस

डॉ. नितिन चौहान

दर्द रहित इलाज बिना चीरा, बिना टाँका

VIVEK HOSPITAL

a multi-speciality hospital

Moradabad Road Bijnor (UP) 246701

7617477603, 7617477604

मनाइये रॉयल दीवाली

रॉयल गुलाब जामुन के संग

Royal Spices

अमर उजा

• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

वर्ष 27 | अंक 261 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : सात रुपये

amarujala.com

जयशंकर बोले — एफटीए पर फोकस कर रहे भारत-ब्रिटेन, सहमति की

पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। -बॉक्स : जागरूक पाठक

गंगोत्री धाम के कपाट बंद, मां गंगा की

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के चारधाम के कपाट बंद होने लगे हैं। मंगलवार को अन्नकूट पर्व पर धार्मिक परंपरानुसार मां गंगा की विशेष पूजा की गई।

इसके बाद अभिजीत मुहूर्त में पूर्वाह्न 11:45 बजे गंगोत्री धाम के कपाट बंद किए गए। इसी के साथ मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन पड़ाव मुखबा (मुखीमठ) के लिए रवाना हो गई। डोली यात्रा भैरों घाटी स्थित देवी मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी, जहां रात्रि जागरण किया जाएगा। बुधवार को डोली यात्रा भैरों घाटी स्थित देवी मंदिर से अपने मायके मुखबा गांव स्थित गंगा मंदिर पहुंचेगी, जहां शीतकाल मायके में बेटी की तरह मां गंगा की डोली का स्वागत करेंगे। संवाद

■ बदरीनाथ के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू

जोशीमठ। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार से पंच पूजा शुरू हो गई। पंच पूजा के साथ पहले दिन विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शाम सात बजे गणेश मंदिर के कपाट बंद किए गए। बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को अपराह्न 3 बजकर 33 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। संवाद

उत्तरकाशी : सुरंग में ड्रिलिंग का काम हुआ शुरू, बार-बार आ रहा है मलबा

विशेषज्ञ बोले, जल्द निकाल लिए जाएंगे सभी लोग, रविवार से सुरंग में फंसे हैं 40 मजदूर

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 40 मजदूरों को बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। सोमवार रात को हरिद्वार से ट्रकों से आयरन पाइप और मंगलवार सुबह ड्रिलिंग के लिए देहरादून से ऑगर मशीन पहुंच गई। दोपहर में मशीन के लिए प्लेटफार्म तैयार करने का काम शुरू हुआ, लेकिन रात करीब नौ बजे सुरंग में ड्रिलिंग शुरू होते ही मलबा गिरने लगा, जिससे कार्य रोक दिया गया।

अब मलबा गिरने के स्थान को शॉटक्रिटिंग कर सीमेंट का छिड़काव किया गया है, उसके सेट होने पर फिर ड्रिलिंग शुरू होगी। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार को मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा।

गत रविवार सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन 4.5 किमी लंबी टनल में भारी भूस्खलन हुआ था। जिससे सुरंग निर्माण में लगे 40 मजदूर फंसे हुए हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए विभिन्न एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सुरंग में पहले जेसीबी से मलबा हटाने का काम किया जा रहा था, लेकिन लगातार गिरते मलबे के कारण इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद देहरादून से ऑगर मशीन मंगवाने और आयरन पाइप डालकर रास्ता तैयार करने का निर्णय लिया गया। राहत एवं बचाव कार्य में समन्वय बनाने का काम देख रहे मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि बचाव अभियान जोरों पर चल रहा है।

4.5 किमी लंबी निर्माणाधीन टनल में हुआ था भूस्खलन

उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग के अंदर पहुंची ऑगर मशीन। -संवाद

सीएम दफ्तर सक्रिय, दिन-रात हो रही मॉनिटरिंग

देहरादून। सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय से दिन-रात हो रही है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी और सचिव विनय शंकर पांडेय को इसका जिम्मा सौंपा है। >> विस्तृत पेज 04 पर

■ 'भौत लोग बा तोहार को बचावे के खातिर...'

एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने मजदूरों से पहुप के जरिये भोजपुरी में बातचीत की। उन्होंने बिहार व झारखंड के मजदूरों से कहा कि 'भौत लोग बा तोहार को बचावे के खातिर, आराम से निकल जइबे'। कमांडेंट मिश्रा ने कहा कि वे भोजपुरी भाषा आसानी से बोल लेते हैं। सुरंग में फंसे अधिकांश मजदूर झारखंड व यूपी पूर्वांचल के हैं जिससे उनकी बोली में बात कर उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया है।

जिसने जहां सुनी हादसे की खबर, तुरंत दौड़ पड़ा

उत्तरकाशी। सुरंग हादसे की खबर दीपावली की सुबह संचार माध्यमों से पता चलते ही यहां काम कर रहे लोगों के परिजन चिंतित हो उठे। तुरंत फोन लगाए गए, जब उनको पता चला कि उनके अपने सुरंग के अंदर फंसे हैं तो विचलित हो गए। किसी अनहोनी की आशंका में भगवान का सुमिरन करते हुए उत्तरकाशी की ओर चल दिए। >> विस्तृत पेज 04 पर

दैनिक जागरण

www.jagran.com

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद 6

मोदी ... शकुन कर राहुल को बताया मूर्खों का सरदार 13

संपादकीय

सुरंग में ड्रिलिंग शुरू, श्रमिक सुरक्षित

आलवेदर रोड पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन के कारण तीन दिन से फंसे हैं 40 श्रमिक

सिलक्यारा सुरंग में फंसे 40 श्रमिकों को निकालने के लिए तैयार प्लेटफार्म पर औगर ड्रिलिंग मशीन स्थापित करते हुए श्रमिक • जागरण

बचाव टीम में श्रमिकों की भूमिका महत्वपूर्ण

विशेषज्ञ समिति ने शुरू किया अध्ययन

डाबर ग्रुप के चेयरमैन-निदेशक महादेव सट्टा एप मामले में फंसे

फाइनल से पहले वानखेड़े में आज अग्निपरीक्षा

सप्तरंग

जागरण विशेष

jagran.com

सिलक्यारा सुरंग में फंसे 40 लोगों के लिए बाहर आने का इंतजार बढ़ता जा रहा है। 72 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। राहत-बचाव कार्य में लगी टीम पूरी ताकत से रेस्क्यू अभियान चला रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि ड्रिलिंग शुरू होने के 24 से 36 घंटे में सुरंग के भीतर फंसे मजदूर निकाले जा सकते हैं।

ऑपरेशन सिलक्यारा
36 घंटे में पूरा करने का लक्ष्य

बढ़ रहा इंतजार पर उम्मीदें बरकरार

सुरंग में बोरिंग व पाइप डालने का काम शुरू, मलबा गिरने से आ रही दिक्कत

अमर उजाला ब्यूरो

केंद्रीय गृह मंत्रालय बराबर ले रहा अपडेट

सफलतापूर्वक ऑपरेशन को अंजाम देंगे

अंदर से बोले गबर-बेटा चिंता मत कर मैं ठीक हूं

सुरंग में फंसे गबर सिंह ने बाहर इंतजार कर रहे बेटे का बढ़ाया हौसला

भाई ने लगाया बचाव कार्य में ढिलाई बरतने का आरोप

सीएम दफ्तर से हो रही अभियान की मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने एसीएस व सचिव को जिम्मा सौंपा, एजेंसियों को समन्वय संग अभियान चलाने के निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

वैज्ञानिकों की टीम सैंपल लेकर लौटी

पाइप पुशिंग तकनीक वाली मशीन पर टिकी हैं उम्मीदें

ड्रिलिंग कर 880 से 900 एमएम के पाइप को भेजेगी अंदर

रिलीव कर्नल पाटिल बने रिलीफ इंचार्ज

एनडीआरएफ के डीआईजी ने लिया सुरंग का जायजा

एम्स ऋषिकेश में 20 बेड किए गए आरक्षित

फिर गिरा मलबा दो मजदूर घायल

लापरवाही : गार्टर की जगह लगाया गया सरियों का रिब

सुरंग में दो संवेदनशील प्वाइंट

भूस्खलन से दबी हैं दो मशीन

अपनों के फंसे होने की खबर सुन दौड़ पड़े परिजन

छोटे भाई से बोला योगेश- चिंता मत करना जल्द बाहर आ जाओगे

सुरंग में काम करते हैं हिमाचल निवासी दोनों भाई

आरिफ और अंकेश दोस्त के लिए चिंतित

मिर्जापुर के अखिलेश से मामा ने पाइप के जरिये की बात

खतरे में जिंदगियां

ये हैं हेल्पलाइन नंबर

उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग धंसने के बाद अंदर फंसे हुए मजदूरों को पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक उनको बाहर निकालने की जितनी भी कवायद हुई है, उसका नतीजा कुछ खास नहीं निकला। अब मजदूरों के परिजनों और साथियों का धैर्य भी जवाब देने लगा है। मजदूर कंपनी पर धमकी देने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि मीडिया के सामने मुंह खोलने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है। हालांकि ड्रिलिंग के लिए नई मशीन मंगाई गई है, इससे आस जगी है, लेकिन देर रात तक मशीन के कई पार्ट्स सुरंग तक नहीं पहुंच पाए थे।

5 दिन से असमंजस... अब साथियों और परिजनों का टूटने लगा धैर्य

कंपनी के खिलाफ किया प्रदर्शन, पुलिस और मजदूरों के बीच धक्का-मुक्की

'घर वाले रो रहे हैं, आखिर कब उन्हें निकाला जाएगा'

सवा घंटे चला विरोध-प्रदर्शन

टनल में अब कराई जा रही वीडियो रिकॉर्डिंग

अंदर फंसे मजदूरों को दी जा रही विटामिन टेबलेट

कंपनी और सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

मशीन में नहीं थी खराबी, क्षमता कम थी इसलिए हटाई गई : जैन

कंपनी पर दर्ज हो मुकदमा : मैखुरी

घटना चिंताजनक : समीर

भीषण ठंड में अलाव के सहारे रात काट रहे जवान

ग्राउंड रिपोर्ट

ऑपरेशन सिलक्यारा : मलबा क्यों गिरा बाद में देखेंगे, पहले लोगों को बचा लें

सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा, पूरा फोकस रेस्क्यू अभियान पर

...अभी कायदे से शुरू ही नहीं हो पाया प्लान सी

लंबा खिंच सकता है सिलक्यारा टनल का निर्माण कार्य

मार्च 2024 तक पूरा करने का था लक्ष्य

केंद्रीय एजेंसियों को दें हर तरह का सहयोग : सीएम

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश से लिया सिलक्यारा अपडेट

सुरंग में फंसे लोगों को बचाने में जुटे हैं विशेषज्ञ : चौहान

हरक्यूलिस विमान फिर बना संकटमोचन

क्या है हरक्यूलिस

धमाके की आवाज आई और अंधेरा छा गया

ओडिशा के नबरंगपुर निवासी मशीन ऑपरेटर साहमन ने सुनाई आपबीती

मिली 'सांस' बंधी आस

अगर पता होता तो भाइयों सहित सभी को बाहर बुला लेता

दौरा कर लौटे विशेषज्ञ, चट्टानों को पाया कमजोर

सुरंग में पहाड़ी के बीच कुछ ऐसी परिस्थितियां पैदा हुई हैं, जिसने निचले भाग को किया अस्थिर

सिलक्यारा में चल रहे रेस्क्यू पर नजर बनाए हैं मुख्यमंत्री धामी

सात घंटे में विमान से उतर पाया मशीन का मुख्य हिस्सा

स्वजन के सब्र का टूटा बांध, सुरंग के बाहर हंगामा

ग्रामीण बोले, अधिकारी पहले दौरा करते तो नहीं होता हादसा

गैरसैंण क्षेत्र के सीमांत गांवों में चार माह से पेयजल संकट

जोशीमठ से औली तक सड़क का होगा चौड़ीकरण

जाम से मिलेगी राहत

नियमावली में बदलाव न होने से रुकी पुलिस दारोगा भर्ती

देहरादून, शनिवार
18 नवंबर, 2023
गढ़वाल संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागर

www.jagran.com

उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

20 साल

आज से शुरू होगा एलएलसी का रोमांच 12

श्रमिकों को निकालने के लिए आधी निकासी सुरंग तैयार

- सुरंग में ड्रिलिंग कर 30 मीटर पाइप बिछाए गए, बैकअप के लिए इंदौर से एक और मशीन मंगाई
- सुरंग के अंदर पहुंचने के लिए वर्टिकल व हारिजांटल मार्ग बनाने के विकल्प पर भी काम शुरू
- बचाव कार्य में लगातार पेश आ रही चुनौती, त्वरित गति से निकाला जा रहा है उनका समाधान
- सीएम ने अधिकारियों से ली अभियान की जानकारी अपर मुख्य सचिव ने सचिवालय में की बैठक

सिलक्यारा सुरंग में श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए ड्रिलिंग कार्य प्रगति पर है • जागरण

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी: यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारधाम आलवेदर रोड परियोजना की सुरंग में छह दिन से फंसे 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए शुक्रवार रात तक आधी निकासी सुरंग (30 मीटर) तैयार कर ली गई। श्रमिकों को बचाने के लिए 900 मिमी व्यास के स्टील पाइपों से करीब 60 मीटर लंबी निकासी सुरंग बननी है। इस कार्य में लगातार चुनौती पेश आ रही है, लेकिन त्वरित गति से उनका समाधान भी निकाला जा रहा है। बचाव अभियान रुकने न पाए, इसके लिए बैकअप के तौर पर मध्य प्रदेश के इंदौर से एक और औगर मशीन को एयरलिफ्ट कर सिलक्यारा लाया जा रहा है, जो शनिवार तक यहां पहुंच जाएगी। साथ ही बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों ने सुरंग के अंदर पहुंचने के लिए प्लान-सी के तहत वर्टिकल और हारिजांटल मार्ग बनाने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया है।

उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन साढ़े चार किमी लंबी सुरंग में भूस्खलन के बाद रविवार सुबह से फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए नई दिल्ली से लाई गई अमेरिकन औगर ड्रिलिंग मशीन से गुरुवार सुबह निकासी सुरंग बनाने का काम शुरू हुआ था और देर रात तक 18 मीटर सुरंग तैयार कर ली गई थी। शुक्रवार तड़के ड्रिलिंग के दौरान बोल्डर आ जाने से कार्य प्रभावित हुआ। धीरे-धीरे बोल्डर को काटा गया, जिसके बाद कार्य ने फिर गति पकड़ी। शाम तक कुल 24 मीटर निकासी सुरंग तैयार कर ली गई थी, जबकि रात तक आधी सुरंग तैयार हो गई। इससे पूर्व मशीन में तकनीकी खराबी आने से कुछ देर के लिए कार्य रोकना पड़ा।

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआइडीसीएल) के निदेशक अंशु मनीष खलको ने बताया कि शाम तक छह-छह मीटर लंबे चार पाइप बिछाने के बाद पांचवां पाइप जोड़ दिया गया था। इसके बाद मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। उन्होंने बताया कि मशीन के बेयरिंग बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। तकनीकी टीम मशीन में आ रही खामियों को लगातार दूर कर इसे सुचारू कर रही है। पाइप बिछाने का कार्य लगातार चलता रहे, इसके लिए इंदौर से दूसरी मशीन लाई जा रही है।

संबंधित समाचार पेज >> 4

वर्टिकल और हारिजांटल मार्ग के विकल्प तलाशने को सर्वे

एनएचआइडीसीएल के निदेशक अंशु मनीष खलको ने बताया कि प्लान-सी के अंतर्गत वर्टिकल और हारिजांटल मार्ग के विकल्प तलाशने को भूविज्ञानियों की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि श्रमिक जिस स्थान पर फंसे हैं, वह हिस्सा वर्टिकल विकल्प के एक स्थान से 103 मीटर की दूरी पर है। अभी बचाव अभियान औगर मशीन से ही संचालित किया जाएगा। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में बैठक कर आपदा प्रबंधन विभाग को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

ट्राली स्ट्रेचर से बाहर आएंगे श्रमिक

सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर कैसे लाया जाएगा, इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि श्रमिकों को एक-एक कर निकाला जाएगा और ट्राली स्ट्रेचर में बाहर लाया जाएगा। इसके लिए गुरुवार देर रात और फिर शुक्रवार को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ के जवानों ने 900 मिमी व्यास के पाइप में आवाजाही व स्ट्रेचर पर व्यक्तियों को निकालने का अभ्यास किया।

Report on Silkyara Tunnel Rescue Operation.

(A) Challenges encountered and innovations/measures undertaken to overcome the same: -

1. Tunnels often have confined spaces and limited access points, making it challenging for rescue teams to reach affected areas.
2. Project specific Standard Operating Procedures (SOP) for such type of incidents/accidents should be formulated and training be given to workers.
3. During the initial phase of rescue operation, no senior official or technically competent person was present at site, so it took time to decide search and rescue methodology. This also made timely media briefing difficult.
4. Due to initial removal of debris, further collapse occurred which adversely affected the rescue operation.
5. Poor telecom connectivity at site hindered the smooth communication and coordination. It was resolved within a week by augmentation of network strength with the intervention of district administration and DOT.
6. Due to non availability of specialized equipment near incident location, initial few days were spent in determining the requirement, mobilization of resources. Transportation of some heavy machines and equipment was a major challenge, considering the narrow road stretches, chronic slide zones etc.
7. Rescuers initially faced uncertainty about the conditions inside the collapsed tunnel, including potential hazards such as hazardous materials, electrical issues, or unstable structures. Cold weather condition at the incident site especially during the night posed a challenge.
8. This incident has not been notified as a disaster/calamity. Thus, provisions of Disaster Management Act could not be utilized.
9. During the rescue operation, dignitaries and senior officers visited at incident site which was managed with limited resources.

(B) Lessons learned, areas for improvement identified, suggestions & recommendations for effectively handling similar situations in the future: -

1. Constitution of Technical Advisory Committee (TAC) consisting of GSI, experts of geotechnical and underground works. Ensure the visit of TAC at regular intervals and recommendations of the committee must be followed up.
2. Keep the Inventory detail updated during the planning of work (especially details and availability of Machines) which can be used in an emergency.
3. Develop a temporary helipad facility near the work site, which can be used during emergencies.
4. Ensure the medical facility at the time of commencement of work near the work site.
5. Identify the nearest Railhead and transportation facility of heavy machinery to the work site. If there is any bottleneck at several locations on the Highway then maintain a record and request to take remedial measures from the respective department.
6. Form an Interdepartmental coordination committee at the State level and regular monitoring by district level committee as per recommendations by the state level committee.
7. Form guidelines for safety measures in underground works and regular checks/review of safety standards at the district/State level technical committee.
8. Prepare SOP for handling the rescue operation incases of emergency/disaster situations in all major project/construction sites.
9. Ensure the workers engaged in such projects must be highly skilled and experienced. Also keep the detailed information (inventory) of such skilled workers.
10. Specialized Rescue training in case of Tunnel collapse to the personnel of Army/NDRF/ITBP/SDRF/Police.
11. A strong telecommunication system by multi telecom service provider must be provided at the work site.
12. Ensure sufficient stock of technical material such as Hume pipe, transformers, steel pipes, HDPE pipes etc. and emergency funds for immediate response in case of disaster/emergency situation.
13. Ensure proper compliance with labor laws/welfare at the work site.